पटना ● बुधवार, 14 अगस्त 2024 मूल्य: 5:00, पृष्ठ: 8 वर्ष: 5, अंक: 214 www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय... 3 www. bordernewsmirror.com कीर्ति सुरेश की रघु ताथा... 8

बड़ी खोज! मंगल ग्रह पर मिला पानी का विशाल भंडार

भर जाएंगे कई महासागर, सामने आई नासा की नई रिपोर्ट

वॉशिंगटन (एजेंसी)। मंगल ग्रह में इंसानों की हमेशा से दिलचस्पी रही है। मंगल पर कभी नदियां और समुद्र थे। समय के साथ वह खत्म हो गए। लेकिन अब मंगल ग्रह को लेकर एक नई स्टडी में बड़ा खुलासा हुआ है, जिसके जरिए मंगल ग्रह के समुद्र फिर से भरे जा सकते हैं। हाल ही में एक स्टडी में पता चला है कि मंगल की सतह के नीचे तरल पानी का एक विशाल भंडार छिपा हो सकता है। संभवतः इतना पानी कि यह पूरे ग्रह को एक महासागर से ढक ले। यह खोज नासा के इनसाइट लैंडर के डेटा पर आधारित है। यह स्टडी बताती है कि मंगल पर सूक्ष्मजीवी जीवन के लिए अतीत में या वर्तमान में अनुकूल परिस्थितियां हो सकती हैं। लेकिन अंतरिक्ष यात्रियों के लिए इसे पाना आसान नहीं होगा। नासा का इनसाइट लैंडर 2018 से 2022 में अपने मिशन के समापन तक धरती पर डेटा भेजता रहा। इसने मंगल ग्रह का भूकंपीय डेटा प्रदान किया, जिससे वैज्ञानिकों को इस संभावित जल भंडार की खोज में मदद मिली है। पानी सतह से लगभग 11-20 किमी नीचे स्थित है। सतह के विपरीत जहां पानी जम जाता है वहां इन गहराइयों पर तापमान पानी को तरल बनाए रखने के लिए पर्याप्त गर्म

होता है। अध्ययन में कहा गया है कि मौजूदा मंगल ग्रह पर तापमान मध्य परत के शीर्ष के पास मौजूद तरल पानी के लिए पर्याप्त गर्म है। परत के नीचे छिद्र बंद होने की उम्मीद है। सैन डिएगो के कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के ग्रह वैज्ञानिक वशन राइट ने कहा वर्तमान मंगल पर सतह के नीचे पानी की मौजूदगी का निर्धारण भूकंपीय तरंगों की गति का विश्लेषण करके किया गया था। ये तरंगे चट्टानों की संरचना, दरारों की मौजूदगी और उन्हें भरने वाली चीजों के आधार पर गति बदलती हैं। राइट ने कहा कि अगर इन चट्टानों के बीच की दरारों से सारा पानी निकाल लिया जाए तो 1-2 किलोमीटर गहरा वैश्विक महासागर भर सकता है। इतने विशाल अंडरग्राउंड पानी के भंडार की खोज मंगल ग्रह के इतिहास और जीवन को समर्थन देने की इसकी क्षमता को लेकर हमारी समझ को बढ़ाती है। 3 अरब साल से भी पहले मंगल ग्रह नदियों, झीलों और संभवतः महासागरों वाला एक गर्म ग्रह था।

'सेफ्टी नहीं तो ड्यूटी नहीं'

कोलकाता में डॉक्टर से रेप और हत्या के बाद बवाल

पूरे देश में डॉक्टरों की हड़ताल, ठप हो गई ओपीडी सेवाएं

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर से रेप और हत्या के बाद पूरे देश में डॉक्टर हड़ताल कर रहे हैं। कई जगहों पर अस्पतालों में केवल इमर्जेंसी सेवाएं ही उपलब्ध हैं, वहीं ओपीडी पूरी तरह ठप हो गई है। फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन ने कल देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया था जिसका असर आज दिखाई पड़ रहा है। एसोसिएशन ने स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को पत्र भी लिखा था और अब तक के इतिहास में किसी रेजिडेंट के साथ सबसे बर्बर हादसा बताया था। एसोसिएशन की मांग है कि ऐसे सभी अधिकारियों और व्यक्तियों को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए जो महिला डॉक्टर की सुरक्षा के लिए उत्तरदायी थे। इसके अलावा यह भी मांग की गई है कि प्रदर्शन करने वाले डॉक्टरों पर किसी तरह की कार्रवाई ना की जाए। वहीं उनकी सुरक्षा की भी व्यवस्था की जाए। डॉक्टरों के संगठन ने स्वास्थ्य मंत्री से स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की सुरक्षा का आश्वासन मांगा है। कोलकाता के ज्यादातर अस्पतालों के डॉक्टर हड़ताल पर हैं। ऐसे में मरीजों की भी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। वहीं लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज में भी सुबह डॉक्टरों ने मार्च निकाला। वहीं ओपीडी सेवाएं ठप हो गईं। मरीज और उनके रिश्तेदार ओपीडी के आसपास भटकते रहे लेकिन वहां ताला लटकता रहा। पटना मेडिकल कॉलेज की तस्वीर सामने आई जहां बड़ी संख्या में मरीज ओपीडी के बाहर ही बैठे रहे। इलाज के लिए डॉक्टर उपलब्ध नहीं थे। मुंबई के कई बड़े अस्पातलों के डॉक्टरों ने भी विरोध में हिस्सा लिया। जेजे अस्पताल, सियोन, नायर और किंग एडवर्ड मेमोरियल अस्पताल में भी ओपीडी सेवाएं बंद रहीं। इसके अलावा राजधानी दिल्ली के एम्स में 80 फीसदी डॉक्टर हड़ताल पर रहे। एम्स प्रशासन ने डॉक्टरों से काम पर लौटने को कहा है।

डॉक्टर रेप-मर्डर केस में अब हुआ बड़ा ऐक्शन

कलकत्ता हाईकोर्ट ने सीबीआई जांच के दिए आदेश

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के मामले में सीबीआई जांच के आदेश दिए हैं। एजेंसी के अनुसार, यह फैसला देश भर में बढ़ते आक्रोश के बीच आया है। अदालत ने पुलिस को मामले से जुड़े सभी दस्तावेज तुरंत केंद्रीय जांच एजेंसी को सौंपने का भी निर्देश दिया है। अदालत ने पुलिस को मामले से जुड़े सभी दस्तावेज तुरंत केंद्रीय जांच एजेंसी को सौंपने का भी निर्देश दिया है। इससे पहले कलकत्ता हाईकोर्ट ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल सरकार को निर्देश दिया कि वह आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में महिला डॉक्टर के कथित दुष्कर्म एवं हत्या मामले की जांच की केस डायरी दोपहर एक बजे उसके सामने पेश करने को कहा था। पीड़िता के माता-पिता ने अदालत की निगरानी में मामले की जांच के अनुरोध के साथ हाईकोर्ट का रुख किया है। हाईकोर्ट में कुछ जनहित याचिकाएं भी दाखिल की गई हैं, जिनमें मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने का अनुरोध किया गया था। इसके बाद कोर्ट ने सीबीआई जांच के आदेश कर दिए। इससे पहले याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवज्ञानम और न्यायमूर्ति हिरण्मय भट्टाचार्य की खंडपीठ ने पाया कि जांच में कुछ कमी है। खंडपीठ ने पूछा कि क्या प्रधानाचार्य संदीप घोष का बयान दर्ज किया गया था।

दुश्मनों को हवा में खदेड़ देगा सेना का 'समार-2'

30 किमी की है रेंज, जल्द परीक्षण करेगी भारतीय वायु सेना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत जल्द ही समार- 2 एयर डिफेंस सिस्टम का परीक्षण करने की तैयारी में हैं। यह सुनिश्चित जवाबी कार्रवाई के लिए सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल है। स्थानीय रूप से निर्मित इस सिस्टम की रेंज लगभग 30 किलोमीटर है। इस योजना से जुड़े भारतीय वायु सेना के अधिकारियों ने मंगलवार को इस बात की जानकारी दी है। अधिकारियों में से एक ने नाम न बताने की शर्त पर बताया, पहली फायरिंग ट्रायल दिसंबर तक किया जाएगा। वायु सेना ने दो कंपनियों के साथ मिलकर यह वायु रक्षा प्रणाली विकसित की है। इस सिस्टम का पहला संस्करण, समर 1, पहले ही भारतीय वायुसेना में शामिल किया जा चुका है और इसकी रेंज 8 किलोमीटर है। इन प्रणालियों में रूस की टेक्नोलॉजी के तहत हवा से हवा में टक्कर देने वाली मिसाइलों का उपयोग किया जाता है। समर 1 आर-73ई से लैस है वहीं इसके नए संस्करण में आर-27 मिसाइल है। भारतीय वायुसेना ने सुलूर

एयरबेस में चल रहे तरंग शक्ति 2024 अभ्यास के दौरान आयोजित इंटरनेशनल डिफेंस एविएशन एक्सपोजिशन में समर 1 वायु रक्षा प्रणाली का प्रदर्शन किया गया। यह भारत द्वारा आयोजित सबसे बड़ा बहुपक्षीय हवाई युद्ध अभ्यास है। इस अभ्यास में दस विदेशी वायु सेनाएं भाग ले रही हैं जबकि 18 देश आब्जर्वर के तौर में भाग ले रहे हैं। एक अन्य अधिकारी ने बताया, यहां चुनौती यह है कि हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, जो पुरानी हो चुकी हैं और इसलिए हवाई प्रक्षेपण के लिए असुरक्षित हैं, उनका इस्तेमाल सतह से हवा में किया जा रहा है। अधिकारियों ने कहा कि समर प्रणाली लड़ाकू जेट, हेलीकॉप्टर और मानव रहित हवाई वाहनों सहित हवाई खतरों से आसानी से टक्कर ले सकती है। भारत डीआरडीओ के प्रोजेक्ट कुशा के तहत एक स्वदेशी लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली भी विकसित कर रहा है। इसकी अधिकतम सीमा 350 किमी होगी।

अबकी महिला को मिल सकती है बीजेपी की कमान

नए अध्यक्ष को लेकर अटकलें तेज, बैठकों का दौर जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा का कार्यकाल समाप्त हो चुका है। वहीं, अब तक नए अध्यक्ष के नाम पर मुहर नहीं लग सकी है। खबरें हैं कि इसे लेकर हाल ही में भाजपा

की एक उच्च स्तरीय बैठक हुई थी, जिसमें राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पदाधिकारी भी शामिल हुए थे। अटकलें हैं कि पार्टी की कमान ओबीसी यानी अन्य पिछड़ा वर्ग या किसी महिला नेता के हाथों में भी जा सकती है। फिलहाल इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के घर पर लंबी बैठक चली। कहा जा रहा है कि मीटिंग अधूरी ही रही।

हरियाणा में चुनाव लड़ने को बेताब हैं कई पूर्व अफसर

- आईएएस, आईपीएस के बाद रिटायर्ट जज ने भी ठोका टिकट का दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा में विधानसभा चुनाव करीब हैं। रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि 25 अगस्त के बाद विधानसभा चुनाव का ऐलान हो सकता है। चुनाव से पहले कई आईएएस, आईपीएस और यहां तक कि रिटायर्ड जज भी किस्मत आजमाने के लिए कतार में हैं। चुनाव में अलग-अलग पार्टियों से टिकट लेने के लिए कई अधिकारीय और पूर्व जज कोशिश कर रहे हैं। ज्यादातर रिटायर्ड नौकरशाह कांग्रेस का टिकट चाहते हैं। इनमें से कई तो खुलकर सामने आ गए हैं। वहीं कई पूर्व अधिकारी ऐसे भी हैं जिन्होंने अप तक पत्ता खोला नहीं है और चुनाव के ऐलान का इंतजार कर रहे हैं। टिकट की चाह रखने वाले लोगों ने जनता के बीच आना-जाना शुरू कर दिया है। इस लिस्ट में 2003 बैच के आईएएस अधिकारी विनय सिंह यादव का भी नाम है। वह पिछले साल सितंबर में रिटायर हो चुके हैं। द ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक वह नांगल चौधरी (महेंद्रगढ़) से कांग्रेस का टिकट चाहते हैं। उन्होंने कहा, पिछले कई महीनों से मैं कई महीनों से इस इलाके में सक्रिय हूं और लोगों से चुनाव लड़ने के बारे में राय भी ली है।

नई शिक्षा नीति नौकरी लेने वाला नहीं, बल्कि देने वाला बनाएगा: राज्यपाल

समारोह को संबोधित करते महामहिम राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ अर्लेकर

कार्यक्रम का दीपप्रज्वलन कर उद्घाटन करते राज्यपाल, सांसद व कुलपति

चरखा पार्क का मुआयना करते राज्यपाल व अन्य

मोतिहारी। जिला मुख्यालय मोतिहारी शहर के राजा बाजार स्थित बापू सभागार में मंगलवार को महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविधालय के दीक्षारंभ समारोह में बतौर मुख्य अतिथि राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर पहुंचे। यहां उन्हे गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद राष्ट्रगान से कार्यक्रम की शुरुआत की गई। मंच पर बतौर विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय सांसद राधामोहन सिंह मौजूद थे। समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि युवा और छात्र ही देश को तैयार करते हैं। यह कार्यक्रम दीक्षारंभ के लिए आयोजित किया गया है। हालांकि, शिक्षा कभी समाप्त नहीं होती है, जिंदगी भर हम शिक्षा लेते रहते हैं। समारोह के दौरान उपस्थित लोगों को दिलाई गई शपथ को दुहराते हुए उन्होंने कहा कि यदि इस शपथ को हम सभी अपने अंदर उतार ले तो हमें दूसरे किसी चीज की जरूरत नहीं पड़ेगी। चार साल की पढ़ाई आपके आने वाला समय को तय करेगा। राज्यपाल ने नई शिक्षा नीति के महत्व को रेखांकित करते कहा कि हम सब कब तक नौकरी लेने वाले बने रहेगे। आज जरूरत है नौकरी

गांधी संग्रहालय में राज्यपाल का स्वागत करते सचिव ब्रज किशोर सिंह

देने वाला बनने का है। नई शिक्षा नीति नौकरी लेने वाला नहीं, बल्कि देने वाला बनाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 2047 तक विकसित भारत का जो सपना है, उसे पूरा करना है। सांसद राधामोहन सिंह कहा कि कम समय में ही केन्द्रीय विश्वविधालय के छात्र देश दुनिया में अपनी सफलता का परचम लहरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का नया भवन तीन साल के अंदर बन कर तैयार हो जाएगा। कुलपति ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि यह देश का सबसे नया विश्वविद्यालय होने बावजूद काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

बांग्लादेश के चीफ एडवाइजर यूनुस पहुंचे ढाकेश्वरी मंदिर

- कहा-लोकतंत्र में कोई हिंदू-मुस्लिम नहीं, सबका बराबर का हक
- हसीना के इस्तीफे के बाद 52 जिलों में हिंदुओं पर 205 हमले

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस मंगलवार को राजधानी ढाका के ढाकेश्वरी मंदिर पहुंचे। मंदिर पहुंचकर यूनुस ने बांग्लादेश पूजा-उदयापन परिषद और महानगर सर्वजन पूजा समिति के प्रमुख लोगों, मंदिर के मैनेजमेंट बोर्ड और भक्तों से मुलाकात की। दरअसल बांग्लादेश में हिंसा के बीच हिंदू समुदाय पर हमले बढ़ते जा रहे हैं। 52 जिलों में हिंदुओं पर हमले के अब तक 205 मामले सामने आ चुके हैं। बांग्लादेशी हिंदुओं पर बढ़ते हमलों की वजह से बांग्लादेश के अलावा भारत, अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा में भी प्रदर्शन हुए हैं। ऐसे में मोहम्मद यूनुस का ये कदम हिंदू समुदाय के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील के तौर पर देखा जा रहा है। लोगों से बातचीत के दौरान यूनुस ने कहा कि हम सभी एक है और सभी के लिए अधिकार समान है। यूनुस ने लोगों से पहले उन्हें काम करने का मौका देने और उसके बाद उसे जज करने की बात कही। दरअसल, पिछले महीने 19 जुलाई को आरक्षण पर जारी हिंसा के बीच ढाका के मोहम्मदपुर में एक किराना दुकानदार अबु सईद की पुलिस गोलीबारी में मौत हो गई थी। इसी मामले में पूर्व प्रधानमंत्री हसीना और अन्य 6 लोगों को आरोपी बनाया गया।

21 गांव बने टापू , 20 में कटाव का खतरा, पूर्णिया के रूपौली, बायसी और अमौर में नदियों का बढ़ा जलस्तर

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया के रूपौली, बायसी और अमौर में नदियां उफान पर है। कोसी नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी से रूपौली से होकर गुजरने वाली विजय कोसी उफान पर है। जिसके चलते नदी से लगे 6 गांव टापू में तब्दील हो चुके। कांप से अंझड़ी जाने वाली मुख्य सड़क के ऊप से करीब 3 फीट पानी बह रहा है। इससे भी बदतर हालत बायसी और अमौर के हैं। बायसी में महानंदा, कनकई और परमान से कटाव का कहर जारी है। 5 हजार की आबादी वाले मालोपाडा तेलंगा गांव में पिछले सप्ताह भर में करीब 10 घर महानंदा में समा चुके हैं। जबकि 20 गांवों के दर्जनों घर पर कटाव का खतरा मंडराने लगा है। वहीं, अमौर में कनकई, महानंदा, परमान और बकरा नदी से 15 से अधिक गांवों में नदी का पानी प्रवेश कर गया है। इनमें आंशिक बाढ़ जैसे हालात हैं।

पशुपालक गांव छोड़कर ऊंचे स्थानों पर शरण ले रहे

रूपौली में विजय कोसी नदी के जलस्तर में इजाफा है। अंझड़ी गांव की सड़क का संपर्क पूरी तरह प्रखंड मुख्यालय से टूट गया है। सधोपुर जाने वाली सड़क पर नदी का पानी बह रहा है। जिस कारण सधोपुर, सोहरा दियारा के सड़क का संपर्क प्रखंड मुख्यालय से टूट चुका है। मालपुर से अंझड़ी मोड़ जाने वाली सड़क पर पानी सड़क के ऊपर बह रहा है। नदी के बढ़े जलस्तर से अंझड़ी, टोपय, बिंद टोली, सधोपुर, मंझोडीह और टोपरा जैसे गांव टापू में तब्दील हो गए है। इन गांवों के खेत में लगी मकई की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है। रूपौली के दियारा क्षेत्र में रहने वाले पशुपालकों का चारा बह गया है। पशुपालक गांव छोड़कर मवेशी लेकर ऊंचे स्थानों पर शरण ले रहे हैं।

बायसी में महानंदा, कनकई, परमान नदी से लगे निचले इलाकों में कटाव हो रहा। 5 हजार की आबादी वाले मालोपाड़ा तेलंगा गांव महानंदा नदी से घिरा है। जिस कारण यहां भीषण कटाव हो रहा है। सप्ताह भर में मालोपाडा तेलंगा गांव में महानंदा नदी के कटाव में 4 घर विलीन हो चुके हैं। अब 20 से अधिक घरों पर कटाव का खतरा मंडरा रहा है। कटाव पीड़ित बब्लू और सत्यनारायण कहते हैं कि महानंदा नदी के कटाव में उनका आशियाना नदी में विलीन हो गया है। उनके पास रहने के लिए दो गज जमीन तक नहीं है। अब तक सैकड़ों एकड़ जमीन नदी में कटकर विलीन हो गई है। गांव में कटाव निरोधक कार्य कराने को लेकर वे कई बार अधिकारियों से मिले। मगर अनदेखी की जा रही है। महानंदा नदी से लगे ताराबाड़ी सरकार टोला, यादव टोली, मजार टोली और चनकी ताराबाड़ी में अब तक सैकड़ों परिवारों का घर कटाव की जद में आ चुका है।

बारिश के कारण नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी

अमौर में कनकई, महानंदा, परमान व बकरा नदी के बढ़े जलस्तर से निचले इलाके में नदी का पानी आ गया है। खेत-खलियान पूरी तरह नष्ट हो चुके हैं। नदियों के बढ़े जलस्तर से इन क्षेत्र पर बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण परमान, बकरा, कनकई, महानंदा जैसी नदियों के जलस्तर में हुई बढ़ोतरी से बनगामा, तियारपाड़ा, अधांग, झोवाड़ी, आमगाछी, नितेंद्र, मच्छट्टा, बंगरा महदीपुर, बरबट्टा और कनकई से ज्ञानडोव, तालबाड़ी, डहुवबाड़ी, रंगरैया लालटोली, खाड़ी महीन जैसे गांव कटाव की जद में हैं। बायसी सीओ गणेश पासवान ने बताया कि मालोपाड़ा तेलंगा गांव में महानंदा नदी से कटाव होने की सूचना मिली है। मौके पर जाकर निरीक्षण किया गया है।

मिथिला महिला कॉलेज में तालाबंदी खत्म

दरभंगा, एजेंसी। मिथिला महिला कॉलेज में शिक्षक-कर्मियों की पांच अगस्त से जारी तालाबंदी सोमवार को खत्म हो गई। शासी निकाय की बैठक में लिए गए निर्णय से संतुष्ट होने के बाद शिक्षक-कर्मियों ने आंदोलन समाप्त होने की घोषणा की है। शासी निकाय में शिक्षक प्रतिनिधि अखिल रंजन झा ने बताया कि रविवार को शासी निकाय की बैठक हुई। इसमें सचिव के सहमति पत्र को स्वीकृत किया गया जिससे वे पुनः सचिव के रूप में कार्यरत हुए। बैठक में सचिव को निर्देश दिया गया कि प्रभारी प्रधानाचार्य को अविलंब पद से हटाते हुए वरीय शिक्षक को प्रभार सौंपा जाए। साथ ही 11 महीने का मासिक भुगतान और राज्यानुदान सत्र 2013-16 का विपत्र बनाकर अविलंब विश्वविद्यालय में जमा कराया जाए। प्रभारी प्रधानाचार्य ने सोमवार को आंदोलनरत शिक्षक-कर्मियों को शासी निकाय के निर्णय से अवगत कराया जिसके बाद आंदोलन को समाप्त किया गया।

भागलपुर के मायागंज अस्पताल रेफर

सड़क दुर्घटना में 6 लोग गंभीर रूप से जख्मी, बांका में सभी बाइक से जा रहे थे घर

बांका, एजेंसी। बांका के रजौन थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग जगह सड़क दुर्घटना हुई है। इसमें 6 लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। बाइक सवार दंपती तेज रफ्तार में पुल से टकरा गए। इसमें दोनों घायल हो गए। वहीं, दो बाइक की आमने-सामने की टक्कर में चार लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। सभी को गंभीर अवस्था में भागलपुर के मायागंज अस्पताल रेफर किया गया है। सूचना के बाद मौके पर स्थानीय पुलिस पहुंची। दुर्घटना सोमवार देर रात हुई है। रजौन प्रखंड अंतर्गत दो अलग-अलग जगहों पर सड़क दुर्घटना में 6 लोग जख्मी हो गए। जानकारी के अनुसार देर रात भागलपुर से नोनीहाट निवासी रवि साह अपनी पत्नी के साथ बाइक से अपने घर जा रहे थे। इसी क्रम में संज्ञा के पास बाइक अनियंत्रित होकर एक पुल से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

घायल को अस्पताल में कराया भर्ती

हादसे के बाद मौके पर उपस्थित सरपंच मनोज झा ने स्थानीय पुलिस को सूचना दी। साथ ही अपने कार से बाइक सवार जख्मी दंपती को रजौन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां डॉक्टर ने इलाज करने के बाद बेहतर इलाज के लिए भागलपुर के मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया है। वहीं, मोरामा मोड़ के पास दो बाइक की आमने-सामने की टक्कर में चार लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए है। बौसी थाना क्षेत्र के मुराजपुर निवासी मुकेश कुमार यादव अपने एक दोस्त के साथ बाइक से घर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार दूसरी बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी। इसमें दोनों बाइक पर सवार चार लोग गंभीर रूप से जख्मी होकर सड़क किनारे गिर गए।

मुकेश यादव का एक पैर फैक्चर

हादसे में मुकेश यादव का एक पैर फ्रैक्चर होकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को एंबुलेंस के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया। थानाध्यक्ष चंद्रदीप कुमार ने बताया की सभी जख्मी का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

नाबालिग को आरा मिल में काम कराने में तीन नामजद

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। कलवारी निवासी उमेश सहनी के पुत्र राजू कुमार की बांह कटने से मौत मामले में मां गीता देवी ने मुकेश कुमार, राजेश कुमार व चुन्नू सहनी के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है। उसने पुलिस को बताया कि राजू विद्यालय जा रहा था। इसी दौरान आरोपित उसे पैसे का लालच देकर आरा मिल ले गए। वहां काम करने के दौरान राजू का बांह कट गया, जिसके बाद सभी आरोपित फरार हो गए। खून से लथपथ राजू को इलाज के लिए मेडिकल ले गए, जहां से चिकित्सकों ने बैंडेज कर पटना रेफर कर दिया था। वहां इलाज के दौरान राजू की मौत हो गई। थानाध्यक्ष सुधाकर पांडेय ने बताया कि गीता देवी ने तीन लोगों के खिलाफ नामजद केस दर्ज कराया है। पुलिस सभी बिंदुओं पर छानबीन कर रही है।

गौरतलब है कि मेडिकल में दो घंटे तक स्ट्रैचर पर तड़पते रहे मासूम को परिजनों के हंगामा करने पर जूनियर चिकित्सक ने मरहम पट्टी कर पटना रेफर कर दिया था। रवि की बांह कंधे के पास से अलग हो गया था।

नकली ज्वेलरी रख ढाई लाख की चेन ले गई महिला

तनिष्क शोरूम में ग्राहक बनकर आई थी, टैग काउंटर के नीचे फेंक फरार हुई ठग

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर में तनिष्क शोरूम में एक महिला ग्राहक बनकर आई और गहनों के बीच नकली चेन रखकर करीब ढाई लाख रुपए की असली सोने की चेन लेकर फरार हो गई। असली चेन लेने के बाद आरोपी महिला गहनें पसंद नहीं आने की बात कहकर चली गई।

दुकान बंद करने से पहले जब कर्मी साफ-सफाई कर रहे थे, तभी फेंका हुआ टैग मिला। सीसीटीवी चेक करने के बाद अधेड़ महिला का कारनामा सबसे सामने आया। सब को धोखा देने के लिए महिला ने एक जैसे दिखने वाली दूसरी चेन गहनों के बीच रखा था। जिस कारण गहना दिखा रही महिला कर्मी भ्रमित हो गई।

शोरूम के मैनेजर ने थाने में आवेदन दिया

तनिष्क शोरूम के मैनेजर अनिरुद्ध कुमार सिंह ने देर शाम नगर थाना में एक आवेदन दिया गया है। साथ ही उन्होंने उक्त महिला का सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को उपलब्ध कराया है। जिसमें महिला खरीदारी का बहाना बनाकर चेन गायब करती हुई दिख रही है। आवेदन के अनुसार सोमवार दोपहर करीब 2:00 बजे एक महिला गहना खरीदने के लिए शोरूम में पहुंची थी। महिला को आरती कुमारी नामक महिला कर्मी सोने की चेन दिखा रही थी। इसी दौरान महिला ने मौका का फायदा उठाकर नकली सोने की चेन गहनों के बीच रख दिया और उनमें से करीब ढाई लाख रुपए की एक चेन बदल ली। महिला ने चेन का टैग तोड़कर काउंटर के नीचे फेंक दिया। इसके बाद महिला कुछ और गहने देखने के लिए फर्स्ट फ्लोर पर गई। गहना पसंद नहीं आने और बाद में आने की बात कह कर वह वहां से निकल गई। बाद में दूसरी महिला कर्मी संगीता कुमारी ने काउंटर के नीचे टैग देखा। जिसके बाद छानबीन शुरू हुई तो पता चला कि महिला ने नकली सोने की चेन रख दी है। असली लेकर फरार हो गई है।

प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है

नगर थाना अध्यक्ष सह इंस्पेक्टर आशुतोष कुमार ने बताया कि तनिष्क शोरूम के मैनेजर ने आवेदन दिया है। सीसीटीवी फुटेज भी उपलब्ध कराया गया है। जिसमें महिला दिख रही है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। महिला की पहचान की कोशिश की जा रही है। घटना को लेकर प्राथमिक की दर्ज कर ली गई है।

बी-टेक छात्रा व एमबीबीएस छात्र से 10 लाख की ठगी

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। साइबर शातिरों ने ऑनलाइन रोजगार का झांसा देकर बी-टेक व एमबीए कर चुकी छात्रा और एसकेएमसीएच में एमबीबीएस कर रहे छात्र से 10 लाख रुपए की ठगी कर ली है। सदर थाना के पताही की छात्रा गरिमा कुमारी से करीब नौ लाख और एमबीबीएस के छात्र पटना के शास्त्री नगर निवासी प्रतीक रंजन से 95 हजार रुपए की ठगी की गई है। प्रतीक ने अहियापुर थाना और गरिमा ने साइबर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस दोनों मामले की छानबीन कर रही है। गरिमा ने पुलिस को बताया है कि उसे बीते 30 जुलाई को व्हाट्सएप पर महाराष्ट्र की एक कंपनी में ऑनलाइन वर्कफ्रॉम होम जॉब का ऑफर दिया गया। प्रतिदिन दो से चार हजार रुपए कमाने के बारे में बताया गया। वर्कफ्रॉम होम के झांसे में आ गई। तब उसे व्हाट्सएप पर टास्क सौंपा गया। टास्क पूरा करने पर उसे भुगतान मिला। इसके बाद आगे के टास्क के लिए उसे टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ा गया। एक अगस्त को अग्रिम राशि की मांग की गई।

गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से एक मीटर ऊपर

बेगूसराय के 7 प्रखंड प्रभावित, पानी के दबाव से डायवर्सन टूटा; ऊंचे स्थान पर शरण ले रहे लोग

बेगूसराय, एजेंसी। गंगा नदी के लगातार बढ़ रहे जलस्तर के कारण बेगूसराय जिले के सात प्रखंडों की स्थिति धीरे-धीरे गंभीर होती जा रही है। गंगा के उस पार शाम्हो प्रखंड चारों ओर पानी से घिर चुका है। बछवाड़ा, मटिहानी, तेघरा, बरौनी, बलिया और साहेबपुर कमाल के दियारा इलाकों में गंगा के बढ़े जलस्तर से लोग परेशान हैं। जलस्तर खतरे के निशान से एक मीटर ऊपर है। जिस कारण ग्रामीण सड़कें प्रभावित हो गई है। शाम्हो और बछवाड़ा प्रखंड में बच्चे जान जोखिम में डालकर स्कूल जाने को मजबूर हैं। शिक्षक व बच्चे पानी से होकर ही स्कूल जा रहे हैं। निचले इलाके में बसे लोगों ने ऊंचे स्थान पर शरण लेना शुरू कर दिया है। सिमरिया बिंद टोली से सीतारामपुर जाने वाली सड़क का डायवर्सन पानी के दबाव से टूट गया है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में स्कूल में छुट्टी की मांग

10 गांव की आबादी लंबी दूरी तय करने को मजबूर हो गई है। आपदा प्रबंधन विभाग ने प्रभावित लोगों को सुविधा मुहैया कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इधर, बाढ़ प्रभावित इलाके के लोगों ने जिला प्रशासन से सभी स्कूलों में बाढ़ की छुट्टी देने की मांग की है। लोगों का कहना है कि पहले दियारा क्षेत्र में बाढ़ की छुट्टी होती थी। पिछले बार से वह छुट्टी कैंसल कर दी गई है, जिसके कारण बच्चे जान जोखिम में डालकर स्कूल जा रहे हैं। इसलिए सभी विद्यालयों में बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर छुट्टी दे दी जाए।

किसी को असुविधा नहीं होगी- डीएम

डीएम रोशन कुशवाहा ने बताया कि बाढ़ प्रभावित सभी प्रखंडों में नाव का परिचालन शुरू कराया जा रहा है। हर गतिविधि पर जिला प्रशासन की नजर है। डीएम ने कहा है कि लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है, उन्हें किसी प्रकार की भी असुविधा नहीं होने दी जाएगी। सिविल सर्जन को बाढ़ग्रस्त इलाकों में टीम बनाकर प्रभावित लोगों की स्वास्थ्य जांच करने का निर्देश दिया गया है। वहीं, जिला पशुपालन पदाधिकारी को टीम बनाकर बाढ़ग्रस्त इलाकों में पशुओं की जांच करने का निर्देश दिया गया है।

गया हवाई अड्डा का नाम दशरथ मांझी रखने की मांग

माउंटेन मैन की पुण्यतिथि पर 17 अगस्त को निकलेगी बाइक रैली, केंद्रीय मंत्री दिखाएंगे हरि झंडी

गया, एजेंसी। गया में पर्वत पुरुष की 17वीं पुण्यतिथि के कुछ दिन पहले से इस बार गया हवाई अड्डा का नाम पर्वत पुरुष दशरथ मांझी रखने की आवाज उठने लगी है। उनके समाज के लोग और हम पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता इंजीनियर नन्द लाल मांझी की ओर से मांग की गई है। गौरतलब है कि 17 अगस्त को माउंटेन मैन दशरथ मांझी की पुण्यतिथि है। इस मौके पर बोधगया के कालचक्र मैदान से दशरथ मांझी की कर्मभूमि गहलौर तक बाइक रैली निकाली जाएगी। बाइक रैली को केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी और बिहार सरकार के मंत्री सन्तोष सुमन हरि झंडी दिखाएंगे। इस मौके पर हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा सेक्युलर %हम% के कार्यकर्ता और पार्टी के समर्थक बाइक से गहलौर पहुंचेंगे और दशरथ मांझी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि देंगे।

समाज को कर्मयोगी बनने का संदेश दिया जाएगा

बताया गया कि बाइक रैली बोधगया कालचक्र मैदान से भुसन्डा मुफस्सिल भिंडस होते हुए पवित्र समाधि स्थल गहलोर घाटी जाएगी। इस बाइक रैली की तैयारी जोरशोर से शुरू हो गई है। कार्यक्रम के संयोजक ई. नंदलाल मांझी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा का नाम कर्मयोगी दशरथ मांझी के नाम पर किया जाए ताकि उनके कर्म को मान सम्मान मिल सके। शंकर मांझी का कहना है कि बाइक रैली से सभी समाज को कर्मयोगी बनने का संदेश दिया जाएगा।इस मौके पर सुरेश मांझी, दीना मांझी, नरेश मांझी, राजेश सदा, पंकज कुमार, देवन मांझी मनोज मांझी, दीपक मांझी, सुरेश मांझी, सिंटू मांझी, राजेश मांझी, वाल्मीकि मांझी, अमरजीत मांझी सहित दर्जनों अनुयायी शरीक होंगे।

22 साल में मांझी ने पहाड़ काट रास्ता बनाया था

मालूम हो कि जिस काम को सरकार को करना चाहिए था उस काम को दशरथ मांझी ने विषम परिस्थितियों में लगभग 22 साल तक छेनी हथौड़ी से पहाड़ काट कर किया, रास्ता बना दिया। उनके इस काम से वजीरगंज की दूरी कम हो गई। जिसका लाभ आज आम आवाम ले रहा है।

औराई में कुत्ते ने नवजात को नोंचा, गंभीर

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर/औराई, हि.टी.। आंगन में सो रहे एक माह के नवजात को आवारा कुत्ता उठाकर ले गया। मां की नजर नवजात को मुंह में दबाए कुत्ते पर पड़ी तो उसने शोर मचाया। उसके बाद कुत्ता नवजात को लेकर तेजी से भागने लगा। आसपास के लोगों ने कुत्ते को खदेड़ना शुरू किया तो घर से थोड़ी दूर आगे जाकर उसने बच्चे को छोड़ दिया। उसके बाद लोगों ने कुत्ते को पीटकर मार डाला।

घटना औराई थाना क्षेत्र के चहुंटा काश्मीरी टोला में नौ अगस्त की है। कुत्ते के नोचने से नवजात के सीने और पेट पर गंभीर जख्म हो गए। आनन-फानन में परिजन उसे सीएचसी ले गए। वहां से रेफर कर देने पर परिजन नवजात को लेकर सदर अस्पताल पहुंचे। वहां सूई देने के बाद नवजात को चिकित्सकों ने मेडिकल रेफर कर दिया। एसकेएमसीएच के इमरजेंसी में तैनात डॉ अमित आनंद ने बताया कि बच्चे के सीने और पेट पर गंभीर जख्म है। इंफेक्शन की संभावना को देखते हुए सीटी स्कैन कराया जाएगा। काश्मीरी टोला के शिक्षक आलोक राय ने बताया कि नौ अगस्त को आधा दर्जन बच्चों को आवारा कुत्ते ने काट लिया था। सभी को सीएचसी में भर्ती कराया गया, जबकि गंभीर हालत में चिकित्सकों ने रोहित को रेफर कर दिया।

स्टोन क्लिनिक मोतिहारी
शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी द्वारा दीक्षारम्भ समारोह का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी द्वारा दीक्षारम्भ समारोह का आयोजन किया गया। समारोह गाँधी प्रेक्षागृह, राजा बाजार स्थित मोतिहारी में हुई। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर, विशिष्ट अतिथि सांसद राधा मोहन सिंह, कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने की। उद्घाटन समारोह के उपरांत नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए द्वितीय अकादमिक सत्र आयोजित हुई। द्वितीय सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने की। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि विश्वविद्यालय का सदैव प्रयास है कि विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्तापूर्ण स्वस्थ अध्ययन का माहौल प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि दीक्षारम्भ का उद्देश्य विश्वविद्यालय के विभिन्न आयामों से आप सभी को परिचित कराना है। द्वितीय सत्र को सुप्रसिद्ध प्रेरक वक्ता डॉ. विक्रांत सिंह तोमर और एनआईईपीए में प्रो. आरती श्रीवास्तव ने संबोधित किया। डॉ. विक्रांत सिंह तोमर ने अनेक उदाहरणों के माध्यम से विद्यार्थियों के सामने लक्ष्य निर्धारण से लेकर स्वयं को पहचाननें तक की बातें सूत्र वाक्य में रखी। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए लक्ष्य निर्धारण, उसके लिए निरंतर प्रयास, असफलता को स्वीकार करना, किसी से तुलना नहीं करना जरूरी है। जिज्ञासा भी व्यक्ति को ज्ञानवान बनाता है, जो विद्यार्थियों में होनी चाहिए। नई शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न आयामों से परिचित कराते हुए नीपा में प्रो. आरती श्रीवास्तवा ने कहा कि हमें उच्च शिक्षा के महत्व को समझना चाहिए। क्योंकि उच्च शिक्षा में अध्ययन विद्यार्थी को समझना चाहिए कि यहीं वह समय होता है जिस पर पूरे जीवन का फाउंडेशन बनता है। उन्होंने अमेरिका और अन्य विकसित देशों के शिक्षा संसाधनों का जिक्र करते हुए भारत में शिक्षा की बेहतरी के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारें में चर्चा की। कार्यक्रम को मुख्य कुलानुशासक प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने संबोधित करते हुए प्रोक्टोरियल बोर्ड की कार्यप्रणाली पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों के लिए तैयार अनुशासन केंद्रित मैन्युल पढ़ने की सलाह दी। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता (डीएसडब्ल्यू) प्रो. अर्त्तात्रण पाल ने विद्यार्थियों के लिए अनेक उपयोगी जानकारी साझा की। परीक्षा नियंत्रक प्रो. के. के. उपाध्याय ने परीक्षा और प्रवेश से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। उन्होंने परीक्षा से भयभीत न होने, एकेडमिक कैलेंडर के अनुसार परीक्षा की तैयारी की सलाह देते हुए अंक विभाजन आदि पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रोवोस्ट प्रो. रफीक उल इस्लाम ने हॉस्टल सम्बन्धित जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अभी विश्वविद्यालय के पास छात्राओं के लिए हॉस्टल की सीमित सुविधा उपलब्ध है। जिसमें रहने और भोजन की उत्तम व्यवस्था और अध्ययन का बेहतर मौहाल प्रदान की जाती है। छात्रों के लिए भी हॉस्टल की सुविधा देने की लिए प्रयास किए जा रहे है। शोध सुविधा, प्रक्रिया और उन्नत के निदेशक प्रो. सुनील कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि शोध की दिशा में विद्यार्थियों के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे है। नई शिक्षा नीति की अनुशंसा के अनुसार शोध सुविधा प्रदान करने के हर सम्भव कार्य विश्वविद्यालय में हो रहे है। पुस्तकालय प्रभारी प्रो. रणजीत कुमार चौधरी ने पुस्तकालय में प्रदान की जा रही सुविधाओं का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि पुस्तकालय में विभिन्न विषयों के लगभग 33 हजार से अधिक पुस्तकें और सैकडों ई रिसोर्स है, जिससे पुस्तकें और शोध पत्र पढ़े जा सकते है। वित्त अधिकारी प्रो. विकास पारीक ने विद्यार्थियों के लिए वित्त सम्बन्धित उपयोगी जानकारी दी। विशेष कार्याधिकारी डॉ. सचिदानन्द सिंह ने विश्वविद्यालय के विभिन्न गतिविधियों के लिए गठित समितियों एवं अनेक कार्य दायित्व से विद्यार्थियों को परिचित कराया। उन्होंने कहा कि अपने कार्यों एवं समस्याओं को प्रॉपर चैनल के माध्यम से जानकारी प्राप्त करें। मंचासीन पदाधिकारियों का स्वागत डॉ. बिमलेश कुमार सिंह, डॉ. श्याम कुमार झा, डॉ. शतरुद्र प्रकाश, डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव, डॉ. राकेश पाण्डेय, डॉ. युगल किशोर दधीचि, डॉ. असलम खान ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. शहाना मजूमदार ने की। संचालन गरिमा तिवारी ने किया। कार्यक्रम में हर घर तिरंगा अभियान का शुभारंभ कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव के कर कमलों द्वारा हुई।

संक्षिप्त समाचार

शराब तस्कर से रुपया लेकर तस्कर को छोड़ने मामले में दो पुलिसकर्मी गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी। शराब तस्कर से रुपया लेकर शराब सहित तस्कर को छोड़ने मामले में मोतिहारी एसपी कांतेश कुमार मिश्र ने पुलिस कर्मियो के विरूद्ध बड़ी कार्रवाई की है। मामले की सूचना मिलते ही एसपी ने जांच का निर्देश दिया। वही जांचोपरांत मामला सत्य पाए जाने के बाद दो पुलिस कर्मी को तत्काल गिरफ्तार कर अग्रतर करवाई की जा रही है। मामला जिले के ढाका थाना का है,जहां पदस्थापित दो पुलिस कर्मी(सिपाही) अनिल कुमार एवं नीरज कुमार यादव सोमवार की देर शाम रूपये लेकर शराब सहित शराब तस्कर को छोड़ दिया।बताया गया कि दोनों पुलिस वाले सादे ड्रेस में ढाका घोडासहन रोड़ में रक्सा रहीमपुर गांव के समीप नेपाल से शराब तस्करी कर ला रहे तस्करों की धड़ पकड़ में लगे हुए थे। इसी दौरान एक शराब तस्कर को शराब के साथ दोनों सिपाहियों ने पकड़ा। कुछ देर बाद रूपये लेकर शराब एवं शराब तस्कर को छोड़ दिया। किसी ने इस घटना क्रम की सूचना पुलिस के वरीय अधिकारी को दी। वरीय अधिकारी के आदेश पर ढाका थाना में पदस्थापित परि०पुअनि अमरजीत कुमार सूचना के सत्यापन एवं कार्रवाई के लिए मौके पर पहुंचे तो दोनों सिपाही अनिल एवं नीरज से भेंट हो गई। तलाशी के दौरान पॉकेट से 19 हजार रूपया बरामद हुआ। जिसके बाद दोनों सिपाहियों को थाना लाया गया तथा पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। सिकरहना डीएसपी अशोक कुमार ने बताया कि रुपया लेकर शराब सहित तस्कर को छोड़ने का मामला प्रथम दृश्या सत्य पाया गया।पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर दोनों सिपाहियों पर प्राथमिकी दर्ज कर अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है।

डाक्यूमेंट्री फिल्म ' चंपारण सत्याग्रह-1917' का किया गया प्रदर्शन

बीएनएम। मोतिहारी। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर दोपहर चरखा पार्क गए, जहाँ उन्होंने महात्मा गाँधी से जुड़े सभी चीजों का अवलोकन किया। राज्यपाल ने चरखा पार्क में महात्मा गाँधी के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। वहां उन्होंने मोहन से महात्मा परिसर में गांधी के जीवन से जुड़े सभी पहलुओं का अवलोकन किया। प्रेरणा परिसर में अवस्थित लोक दर्शन प्रेरणा भवन में ऋतिक विराज पाण्डेय द्वारा निर्देशित एवं लव कुमार सिंह उर्फ सोनू सिंह द्वारा निर्मित डाक्यूमेंट्री फिल्म ' चंपारण सत्याग्रह- 1917' का प्रदर्शन किया गया, जिसे देखकर राज्यपाल ने डाक्यूमेंट्री की भूरि- भूरि प्रशंसा की। राज्यपाल ने वहां लगे देश के सभी राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री तथा मोतिहारी के सांसदों के फोटो देख हर्ष व्यक्त किया। राज्यपाल ने चरखा पार्क स्थित गांधी दर्शन प्रेरणा भवन में जिले के सभी स्वतंत्रता सेनानियों के फोटो भी देखे। राज्यपाल के साथ मोतिहारी सांसद राधामोहन सिंह, जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल, पुलिस अधीक्षक कान्तेश मिश्रा, विधायकगण, डॉ.आशुतोष शरण तथा जिला प्रशासन एवं राजभवन के पदाधिकारीगण मौजूद थे।

स्वतंत्रता दिवस को लेकर भारत-नेपाल सीमा पर बढाई गई सुरक्षा व्यवस्था

बीएनएम। मोतिहारी। स्वतंत्रता दिवस को लेकर भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था बढा दी गई है। सीमाई शहर रक्सौल में सभी संवेदनशील स्थानों की सघन निगरानी की जा रही है।इसके साथ ही रक्सौल रेलवे स्टेशन पर भी कड़ी निगरानी की जा रही है। वरीय पदाधिकारियों के दिशा-निर्देश के आलोक में रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट रक्सौल के निरीक्षक ऋतुराज कश्यप व राजकीय रेल थानाध्यक्ष पवन कुमार के नेतृत्व की टीम के द्वारा लगातार रक्सौल जंक्शन पर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। आरपीएफ निरीक्षक ऋतुराज कश्यप ने बताया कि नियमित तौर पर मेटल डिटेक्टर मशीन की मदद से तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। आरपीएफ-जीआरपी के द्वारा माइकिंग कर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। खासकर रक्सौल से आनंद विहार (दिल्ली) व हावड़ा (कलकता) जाने वाली ट्रेन सहित लंबी दूरी की सभी ट्रेनो की सघन निगरानी की जा रही है। इसके साथ ही सशस्त्र सीमा बल के जवानों के श्वान दस्ता की मदद से भी चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

सोयाबीन की खेती से किसानों की बढ़ेगी आय : डॉ मान

मोतिहारी

जसौली पट्टी में सोयाबीन की खेती का अवलोकन करने पहुचे वैज्ञानिक

जिले के कोटवा प्रखंड क्षेत्र के जसौली पट्टी में पहली बार सोयाबीन की खेती की गई है, जिसको देखने के लिए पटना से एनएफएसएम के निदेशक डॉ मान सिंह एवं तकनीक सहायक डॉ सूरज सिंह मंगलवार को जसौली पट्टी पहुंचे। इस दौरान कृषक विनय कुमार एवं रविन्दर सिंह के खेत में लगे सोयाबीन की प्रत्यक्षण के रूप में किये गए खेती का अवलोकन किया और किसानों को सोयाबीन की खेती के बारे में जानकारी दी। डॉ मान ने बताया कि सोयाबीन की बेहतर ढंग से खेती की जाय तो अच्छी आय होगी। पीपरा कोठी कृषि विज्ञान केंद्र के प्रधान एवं वरीय वैज्ञानिक डॉ अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि कोटवा प्रखंड के जसौली पट्टी में रविन्द्र सिंह, विनय कुमार, गोपिछपरा में रामाकांत सिंह, अहिरौलिया में प्रमोद कुमार सिंह, बथना में अभय सिंह एवं दयाशंकर सिंह द्वारा पहली बार सोयाबीन की खेती की गई है। अवलोकन के क्रम में पीपरा कोठी कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ गायत्री कुमारी पाटिल एवं डॉ अंशू गंगवार ने किसानों को बताया कि सोयाबीन की खेती इस क्षेत्र में पहली बार हो रही है। इसकी देख-रेख के लिए समय-समय पर वैज्ञानिकों का सहयोग व मार्गदर्शन मिलता रहेगा। डॉ पाटिल ने बताया कि जो भी किसान अपने खेत में सोयाबीन की खेती किये हैं। अब तक के उपजे पौधे से सन्तुष्ट है। उन्होंने कहा कि आगे भी किसानों को हर तरह की जानकारी दी जाएगी। इस अवसर पर आत्मा अध्यक्ष रविन्दर सिंह, किसान सुनील दास, रामप्रवेश सिंह, विश्वनाथ दास, भक्कू साह, रमाकांत महतो, मुन्ना पटेल आदि उपस्थित थे।

चकिया में बदमाश गिरफ्तार, हथियार बरामद

बीएनएम। मोतिहारी

मोतिहारी। जिले की चकिया थाना पुलिस ने मिली गुप्त सूचना के बाद एसपी कांतेश कुमार मिश्र के निर्देश पर छापेमारी करते हुए अपराध की योजना बनाते एक अपराधी को हथियार व जिन्दा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है जबकि चार अन्य अपराधी अंधेरे का लाभ उठाकर भागने में सफल रहे। गिरफ्तार अपराधी थाना क्षेत्र के फुलवरिया गांव के वार्ड चार निवासी राजन कुमार बताया गया है। पुलिस ने इसके पास से एक देशी कट्टा एक जिन्दा कारतूस व एक बुलेट बाइक सहित तीन अन्य बाइक जब्त किया है। चकिया डीएसपी सत्येंद्र कुमार सिंह ने मंगलवार को बताया कि सोमवार की देर शाम गस्ती के दौरान मिली गुप्त सुचना पर पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार उनके नेतृत्व में एक टीम गठित कर सेमरा मठ के बगल वाली सरेह में पुलिस ने छापामारी की। जिसमे अपराध की योजना बनाते अपराधियों में एक को हथियार व जिन्दा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया। चार अपराधी अंधेरे का लाभ उठाकर भागने में सफल रहे। पुलिस ने उक्त स्थल से एक बुलेट बाइक सहित तीन अन्य बाइक जप्त किया है। गिरफ्तार आरोपित से पूछताछ व बाइक के कागजात के आधार पर फरार अपराधियों की गिरफ़्तारी की जाएगी।

राज्यपाल के सुरक्षा में पिता की वर्दी पहनकर पहुंचा चौकीदार पुत्र

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविधालय के दीक्षारंभ समारोह में बतौर मुख्य अतिथि मोतिहारी पहुंचे राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर की सुरक्षा में बड़ी चूक होने का मामला सामने आया है। दरअसल राज्यपाल की सुरक्षा में घोड़ासहन के एक चौकीदार रामजतन यादव की ड्यूटी लगी थी,जो स्वयं ड्यूटी करने के बजाय अपने पुत्र जय प्रकाश राय को अपना वर्दी देकर ड्यूटी करने भेज दिया था। यह मामला पकड़ में तब आया जब उसने ही सेल्फी लेकर तस्वीर को सोशल मीडिया में डाल दिया। जो फिलवक्त वायरल है,और लोग इस वाकया को राज्यपाल की सुरक्षा में चूक होना बताते हुए तरह तरह के कॉमेन्टस कर रहे है। लोगो का मानना है,कि राज्यपाल के कार्यक्रम में कैसे किसी सुरक्षाकर्मी की जगह उसका बेटा ड्यूटी करने पहुंच गया। क्या यह सुरक्षा व्यवस्था में भारी लापरवाही नही है? वहीं इस मामले में मोतिहारी एसपी कांतेश कुमार मिश्र ने कहा है कि मामले की जांच करा कर समुचित कारवाई की जायेगी।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

बाल हृदय रोग से ग्रसित जिले के 11 बच्चे इलाज हेतु पटना रवाना

- सत्य साई हॉस्पिटल अहमदाबाद के डॉक्टर द्वारा आईजीआईसी पटना में लगेगा मेडिकल कैंप
- हृदय रोग से पीड़ित बच्चों की कराए स्क्रीनिंग-एसीएमओ
- आरबीएसके के तहत 43 प्रकार की बीमारियों की होती है जाँच

बीएनएम। मोतिहारी

जिले में मुख्यमंत्री बाल हृदय योजना के तहत सदर अस्पताल परिसर से हृदय रोग की गंभीर समस्या से पीड़ित 11 बच्चों को एम्बुलेंस से आईजीआईसी पटना मंगलवार को भेजा गया। उक्त मौके पर प्रभारी सिविल सर्जन सह एसीएमओ डॉ. श्रवण कुमार पासवान ने बताया कि बिहार में एक महीने के भीतर बाल हृदय योजना का कैंप आईजीआईसी अस्पताल पटना में लगने वाला है। जिसके लिए अभी तक जिले से 125 हृदय रोग से ग्रसित बच्चों को चिन्हित किया जा चुका है, जो कि बिहार के किसी भी जिले से सर्वाधिक है। उन्होंने जिले वासियों से अपील करते हुए कहा की जिले का प्रभारी सिविल सर्जन एवं अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी होने के नाते मेरी पूर्वी चम्पारण के निवासियों से अनुरोध है कि आपके आसपास या संपर्क में 0-18 वर्ष तक के दिल में छेद का कोई मरीज है तो तुरन्त सदर अस्पताल मोतिहारी परिसर स्थित जिला आरबीएसके कार्यालय जाकर डॉ. शशि जिला समन्वयक आरबीएसके से संपर्क करे, ताकि जिले के अधिक से अधिक बच्चों की सहायता की जा सके। डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन ने बताया की राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अन्तर्गत मुख्यमंत्री बाल हृदय योजना की शुरुआत बिहार एवं पूर्वी

चम्पारण में अप्रैल 2021 में हुई थी। इसके अन्तर्गत 0-18 वर्ष तक के दिल के छेद के मरीजों की निशुल्क सर्जरी बिहार सरकार के द्वारा करायी जाती है। अप्रैल-2022 से जून-2024 तक जिले के 48 बच्चों की सफलतापूर्वक दिल के छेद की सर्जरी की जा चुकी है। बाल हृदय योजना के अन्तर्गत आईजीआईसी अस्पताल पटना में वर्ष में एक या दो बार बाल हृदय योजना का कैंप लगाया जाता है, जिसमें श्री सत्य साईं अस्पताल अहमदाबाद के डॉक्टर पटना आकर बाल हृदय रोगी मरीजों की जांच करते हैं, एवं बाल हृदय रोगियों की सूची बनाकर ले जाते हैं। तत्पश्चात् सूची के अनुसार बिहार सरकार अपने खर्च पर इन बाल हृदय रोगी बच्चों को हवाई जहाज द्वारा पटना से अहमदाबाद भेजती हैं जहाँ हृदय रोगी बच्चों की निःशुल्क सर्जरी कराई जाती है। 2021 से अब तक बिहार में 07 बार बाल हृदय योजना के कैंप लगाए जा चुके हैं। अगामी महिने में पटना में बाल हृदय योजना आठवां कैंप लगने वाला है।

इन बच्चों को एम्बुलेंस से भेजा गया पटना- आरबीएसके के डीसी डॉ. शशि ने बताया कि जिले के जन्मजात हृदय रोग से ग्रसित बच्चों में पवन कुमार आदापुर 11 माह, कुसुम तारा 09 वर्ष ढाका, सुरुचि कुमारी पकड़ीदयाल 08 वर्ष, अंकुश कुमार संग्रामपुर 1.5 वर्ष, सूरज कुमार 15 वर्ष पकड़ीदयाल, कविता कुमारी घोड़ासहन 4 माह, प्रीति कुमारी 1.5 वर्ष आदापुर, रागिनी कुमारी 04 वर्ष केसरिया, अनन्या कुमारी 09 माह चिरैया, एजाज खान 16 वर्ष चिरैया, नेहा कुमारी 11 वर्ष तुरकौलीया को एम्बुलेंस से पटना भेजा गया है। डॉ. शशि ने बताया कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत 43 प्रकार की बीमारियों की जाँच चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क रूप से आंगनबाड़ी केंद्रों, विद्यालयों व अन्य स्थानों पर कैम्प लगाकर समय-समय पर की जाती है। जाँच के दौरान कुछ बच्चों में हृदय रोग से संबंधित लक्षण दिखाई देने पर उन्हें जिले के अस्पताल में स्क्रीनिंग की जाती है। उसके बाद हृदय रोग से पीड़ित बच्चों को उनके माता-पिता और जरूरी कागजातों के साथ निःशुल्क एम्बुलेंस पटना और उसके बाद विमान से श्री सत्य साइ हॉस्पिटल, अहमदाबाद भेजा जाता है। अस्पताल में बच्चों एवं अभिभावक के रहने, भोजन, इलाज का सारा खर्च राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाता है। मौके पर प्रभारी सीएस सह एसीएमओ डॉ. श्रवण कुमार पासवान, डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन, जिला समन्वयक डॉ. शशि, नौशाद अहमद, जऊवाद हुसैन व अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

शंकर सरैया दक्षिणी पंचायत के मुखिया एजाज अहमद गिरफ्तार

बीएनएम। तुरकौलिया। शंकरसरैया दक्षिणी पंचायत के मुखिया एजाज अहमद को पुलिस ने गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल भेज दिया। शंकरसरैया बाबूटोला में मुखिया किसी काम से गए थे। इसकी भनक पुलिस को लगते ही पुलिस ने बाबूटोला में छापेमारी कर गिरफ्तार कर लिया। गौरतलब है कि तंसरिया गावं में दो गुटों में मारपीट हुई थी। जहां दोनों पक्षों ने एक दुसरे के विरुद्ध अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कराई थी। एक पक्ष के नूर आलम और दूसरे पक्ष के बच्चा सिंह के आवेदन पर एफआईआर दर्ज की गई थी। जहां एक पक्ष के नूर आलम ने बताया था कि पंचायत सरकार भवन के जमीन का निरीक्षण करने डीपीआरओ आये थे। लोगों से पूछताछ करने के बाद डीपीआरओ चले गए। डीपीआरओ के जाने के बाद दूसरे पक्ष के बच्चा सिंह करीब 20 लोगों के साथ आये थे और मारपीट करना शुरू कर दिए। वही इन लोगों ने गोली चला कर मोहम्मद दिलशान को जख्मी कर दिया था। साथ ही करीब एक दर्जन लोग भी मारपीट में चोटिल हो गए थे। वही दूसरे पक्ष के बच्चा सिंह ने दिए आवेदन में बताया था कि सूचना मिला था कि श्मशान घाट की जमीन के पास बनने वाली पंचायत भवन के जमीन का निरीक्षण करने डीपीआरओ आये है। उनके जाने के बाद मुखिया एजाज अहमद ने अपने गाड़ी से बंदूक निकालकर उसके बट से कनपटी पर वार कर अपने समर्थकों से कहा कि इसे जान से मारों और गाड़ी को जला दो। इतना सुनते ही ईट पत्थर से समर्थकों ने हमला कर दिया था। जिसमे उनके अलावे राजेश सिंह, मैनेजर सिंह आदि जख्मी हो गए थे। स्कार्पियों में आग लगा दिया गया था। आरोपियों में पूर्व मुखिया गोपाल महतो, वर्तमान मुखिया एजाज अहमद, बच्चा सिंह, मैनेजर सिंह, अजित सिंह, चन्दन सिंह, दिनेश सिंह, राजेश सिंह, राकेश सिंह, रंजन सिंह, अखिलेश सिंह, गुड्डू सिंह, नागेंद्र सिंह, विनय सिंह, राजू सिंह, मुकेश सिंह, रामबाबू सिंह, जितेंद्र सिंह, विकास सिंह, असलम, इबरार, नूर आलम, आकिब, इरफान, हसबुल्लाह, अमरैन, अरसद, साहिल, अनवर, शेख इरफान, शेख अब्बास, शेख तुजार, शेख सहादत, शेख मुस्ताक, मनु हिंदुस्तानी सहित करीब 100 से डेढ़ सौ अज्ञात शामिल थे।

भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा निकल गया तिरंगा यात्रा

बीएनएम। हरसिद्धि। हरसिद्धि गांधी उच्च विद्यालय से कनछेदवा चौक तक तिरंगा यात्रा निकल गया। जिसमें हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता सहित आम जनता शामिल हुए। 15 अगस्त को लेकर हरसिद्धि विधानसभा के कई जगहों पर तिरंगा यात्रा निकाला गया है। जो एक गौरव की बात है, उन्होंने बताया कि हरसिद्धि विधानसभा क्षेत्र में हर घर तिरंगा लगाने को लेकर एक कार्यक्रम चलाया जा रहा है ,जिसमें 15 अगस्त के दिन हर घर पर तिरंगा झंडा दिखेगा ,भारत वर्ष के आजादी के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने विभिन्न कार्यक्रम के माध्यम से देश की आजादी का जश्न को याद दिलाता है। 15 अगस्त के दिन हरसिद्धि विधानसभा के तुरकौलिया और हरसिद्धि के कार्यकर्ताओं के द्वारा अथक प्रयास कर हर घर तिरंगा लहराने का फैसला किया गया है, साथ ही भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा हरसिद्धि विधानसभा के प्रत्येक घर में तिरंगा झंडा का वितरण कर दिया गया है। इस कार्यक्रम में इंजीनियर राकेश गुप्ता, पवन राज, हरेंद्र कुशवाहा, मार्कण्डेय कुशवाहा, निकेश सिंह, छोटेलाल कुशवाहा, मुकेश सहनी, लोगो की अथक प्रयास से कार्यक्रम को सफल बनाया गया। हरसिद्धि मंडल और गायघाट मंडल के हजारों कार्यकर्ताओं ने इस तिरंगा यात्रा में भाग लिया।

आरडीएस कॉलेज में 'हर घर तिरंगा' रैली, प्राचार्य ने तिरंगे को बताया राष्ट्रीय गर्व का प्रतीक

बीएनएम। मुजफ्फरपुरः आरडीएस कॉलेज, मुजफ्फरपुर की एनसीसी इकाई ने गर्व और उत्साह के साथ 'हर घर तिरंगा' सड़क रैली का आयोजन किया। इस रैली का नेतृत्व करते हुए प्राचार्य डॉ. अनिता सिंह ने तिरंगे को राष्ट्रीय गर्व का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि इस मिशन का उद्देश्य देशभक्ति और नागरिक एकता की भावना को फैलाना है। तिरंगे को अपने घर पर फहराना न केवल हमारे राष्ट्रीय ध्वज से व्यक्तिगत जुड़ाव का प्रतीक है, बल्कि राष्ट्र निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का भी द्योतक है। रैली में एनसीसी कैडेट्स ने एनसीसी कोऑर्डिनेटर डॉ. जयदीप घोष के नेतृत्व में तिरंगे को लहराते हुए शहर की सड़कों पर मार्च किया। इस दौरान उन्होंने शहरवासियों को 'हर घर तिरंगा' अभियान में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

विद्युत कार्यपालक अभियंता ने किया गया समीक्षा बैठक, नए सर्विस कनेक्शन के लिए टास्क फोर्स का हुआ गठन

बीएनएम। रक्सौल

स्मार्ट मीटर लगाने को लेकर विद्युत विभाग एक्शन में आ गया है। इसमे नए सर्विस कनेक्शन देने साथ साथ पुराने उपभोक्ताओं के परिसर के मिटर बदलने का लक्ष्य है। रक्सौल विद्युत डिविजन में निर्धारित समयसीमा के अंदर प्रत्येक उपभोक्ता के परिसर में स्मार्ट मीटर का कार्य हरहाल में पूरा करना है। उक्त बातें रक्सौल विद्युत कार्यपालक अभियंता अजय कुमार ने समीक्षा बैठक के दौरान कही। विद्युत विभाग के निर्देश पर रक्सौल डिवीजन के सुगौली, रामगढ़वा, रक्सौल ग्रामीण, आदापुर, छौड़ादानो, बनकटवा एवं घोड़ासहन सेक्शनों में सिक्योर कम्पनी के द्वारा प्रत्येक उपभोक्ता के परिसर में स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। वही नए सर्विस कनेक्शन देने के लिए सेक्शन में 5 - 5 इंस्टॉलर का टीम बनाया गया है। जो तय समय सीमा के अंदर नए उपभोक्तओं के परिसर में स्मार्ट मीटर लगाएगे। इसका पर्यवेक्षक सीधे कार्यपालक अभियंता अपने स्तर से कर रहे है। कुछ गाँव में तकनीकी एवं स्थानीय समस्या के वजह से स्मार्ट मिटर का कार्य पूरा नही हो पाया है। इसके लिए सेक्शन स्तर पर कनीय विद्युत अभियंता, सेक्शन इन्चार्ज ,एवं मानवबल को मिलाकर एक कॉर्डिनेशन टीम बनाया गया है।जो स्मार्ट मिटर लगाने में आने वाले समस्या को निदान कर स्मार्ट मीटर कार्य तय सीमा में पूरा कराएंगे। अगर कोई उपभोक्ता स्मार्ट मीटर लगाने में आनाकानी करेंगे तो उनका लाइट काटा जाएगा। क्योंकि जो उपभोक्ताओं का स्मार्ट मीटर लगवाने से वंचित हो जायेगें उनका विद्युत का बिल नही बन पाएगा। वही मेगा कैलिबर कंपनी को राजस्व वसूली एवं रसीद प्रतिशत बढाने का लक्ष्य दिया गया। साथ ही सभी सुपरवाईजर को सख्त निर्देश दिया की गलत बिलिंग एवं कम रसीद कटने पर सीधे जिम्मेवार होंगे। इस समीक्षा बैठक में सहायक विद्युत अभियन्ता रक्सौल सुनील रजंन, सहायक विद्युत अभियन्ता घोड़ासहन आलोक कुमार, कनीय विद्युत अभियन्ता रक्सौल ग्रामीण मनीष कुमार, कनीय विद्युत अभियन्ता रामगढ़वा मो गालिब, रक्सौल शहर के कनीय विद्युत अभियंता रवि कुमार, सिक्योर कम्पनी के डिवीजन इंचार्ज प्रेम सागर पांडेय, मेगा कंपनी के डिवीजनल इंचार्ज अभिषेक पांडेय, रामगढ़वा सेक्शन इंचार्ज लव कुमार, आदापुर सेक्शन इंचार्ज गुड्डू कुमार, सुगौली सेक्शन इंचार्ज तेज प्रताप सिंह सहित सभी सेक्शनों के जेई एवं सेक्शन इंचार्ज एवं सुपरवाईजर उपस्थित थे।

एनएसएस स्वयंसेवकों ने चलाया हर घर तिरंगा अभियान

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के एलएनडी कॉलेज में मंगलवार को एनएसएस स्वयंसेवकों के द्वारा हर घर तिरंगा अभियान चलाया गया। सर्वप्रथम स्वयंसेवकों ने हाथ में तिरंगा लेकर गगनभेदी देशभक्ति नारे लगाते हुए कॉलेज से निकलकर सदर अस्पताल चौक, श्रीकृष्ण नगर में भ्रमण करते हुए लोगों को 9 से 15 अगस्त तक अपने अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. अरविंद कुमार ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि तिरंगा राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है और जब सभी घरों पर तिरंगा फहराया जाएगा तो इससे राष्ट्रीय एकता को बल मिलेगा। महाविद्यालय मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार बताया कि हर घर तिरंगा अभियान में 9 से 15 अगस्त तक सभी देशवासियों को अपने अपने घरों पर तिरंगा फहरा कर फोटो को harghartiranga.com पर अपलोड करके निर्गत प्रमाण पत्र को डाउनलोड करना है। इस कार्यक्रम में डॉ. सुबोध कुमार, डॉ. दुर्बादल भट्टाचार्य, डॉ. दीपक कुमार, डॉ. दुर्गेश मणि तिवारी, डॉ. जौआद हुसैन, डॉ. कुमार राकेश रंजन,प्रो राकेश रंजन कुमार, डॉ. रविरंजन सिंह ने भी बच्चों का हौसला बढ़ाया। इस कार्यक्रम में अंजली,सानिया, कृतिका,आराध्या,पलक, लक्की ,सुचिता,संध्या,सुप्रिया,अभिषेक ,दिवेश,सन्नी,मनोज,कमलेश,खुशी श्रेयांशु,साहिल,परवेज सहित अन्य की उपस्थिति सराहनीय रही।

CENTER CODE- BR-12870035
SAKSHI COMPUTER INSTITUTE
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान
A UNIT OF BDS COMPUTER PVT. LTD.
A RIGHT PLACE FOR YOUR STUNING PERSONALITY
COME AND LEARN COMPUTER WITH US
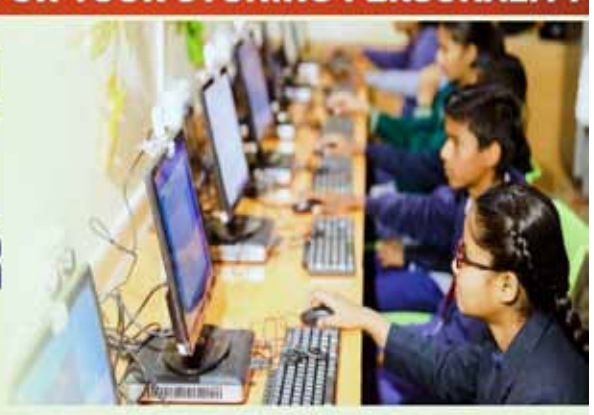
Tally Prime
ADCA
DCA
CCC
ADVANCE EXCEL
COMPUTER BASIC
YADOPUR ROAD, HARSIDHI, EAST CHAMPARAN
9470050309 | RAKESH KUMAR | bdscomputer.in

सत्ता-संपदा का उन्माद

मनुष्य विचारशील प्राणी है, विवेकशील प्राणी है। उसके पास बुद्धि है, शक्ति है। वह अपनी बुद्धि का उपयोग करता है, चिंतन के हर कोण पर रुकता है, विवेक को जगाता है, शक्ति का नियोजन करता है और संसार के अन्य प्राणियों से बेहतर जीवन जीता है। जीने के लिए वह अनेक प्रकार की सुविधाओं को जुटाता है। सत्ता और संपदा ये तो ऐसे तत्व हैं, जिनका आकषर्ण अधिकांश लोगों को बना रहता है। सत्ता के मूल में सेवा की भावना है और संपदा के मूल में जीवनयापन की। न सत्ता के बल पर कोई व्यक्ति बड़ा बनता है और न संपदा ही किसी को शिखर पर बिठा सकती है। जो लोग सेवा की पवित्र भावना से सत्ता के गलियारे में पांव रखते हैं और जीवनयापन के साधन के रूप में अर्थ का उपयोग करते हैं, वे सत्ता और संपदा प्राप्त करके भी कुछ अतिरिक्त अनुभव नहीं करते। सहज सादगीमय जीवन जीते हुए वे सत्ता और संपदा के द्वारा हितकारी प्रवृत्तियों में संलग्न हो जाते हैं। कुछ लोगों की अवधारणा है कि व्यक्ति का अस्तित्व और व्यक्तित्व सत्ता और संपदा पर ही निर्भर है। इसलिए वे जैसे-तैसे इन्हें हथियाने का प्रयास करते हैं और ये हस्तगत हो जाएं तो इनका उचित-अनुचित लाभ भी उठा लेते हैं। ऐसे लोगों में न तो सेवा की भावना होती है और न ही वे उपयोगितावादी दृष्टि से अर्थ का अंकन करते हैं। इनके द्वारा अहंकार बढ़ता है और वे स्वयं को आम आदमी से बहुत बड़ा मानने लगते हैं। यहीं से एक भेद-रेखा बनने लगती है, जो सत्ताधीश और संपत्तिशाली को दूसरे नजरिए से देखने का धरातल तैयार करती है। जिस व्यक्ति के पास सत्ता हो और संपदा हो, फिर भी उन्माद न हो; बहुत कठिन बात है। इन दोनों में से एक पर अधिकार पाने वाला व्यक्ति भी मूढ़ हो सकता है। जहां दोनों का योग हो जाए, वहां मूढ़ता न आए, यह तो संभव ही नहीं है। इस बात को सब लोग जानते हैं, फिर भी सत्ता और संपदा पाने की आकांक्षा का संवरण नहीं होता। जिनकी आकांक्षा पूरी हो जाती है, वे सौभाग्य से ही मूढ़ता से बच पाते हैं। किंतु जिनकी आकांक्षा पूरी नहीं होती, वे एक दूसरे प्रकार के उन्माद का शिकार हो जाते हैं।

मालदीव-भारत के बेहतर होते रिश्तों के सबब

ललित गर्ग

चीन की कटपुतली बने मालदीव को आखिर भारत की कीमत समझ में आ गयी। चीन एवं पाकिस्तान की कुचालों एवं षडयंत्रों से भारत के पडोसी देशों की हालात जर्जर होती जा रही है, जिसका ताजा उदाहरण बांग्लादेश है। लेकिन एक पडोसी देश के रूप में पिछले करीब एक साल की अवधि में मालदीव ने भी गहरे हिचकोले खाने एवं कई कड़वे अनुभवों से गुजरने के बाद अब पटरी पर आ गया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर की पिछले सप्ताह हुई मालदीव यात्रा के दौरान वहां के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू का जैसा दोस्ताना रवैया देखने को मिला, जिस तरह से उन्होंने भारत के साथ आगे बढ़ने की मंशा जाहिर की, यह उन्हें अपनी गलती का अहसास कराने का ही द्योतक कहा जा सकता है। देर आये दुरुस्त आये वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए भारत-मालदीव के रिश्तों को भावनात्मक राजनीति के तकाजों पर कूटनीति की ठोस हकीकतों की जीत के रूप में देखा जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पूर्व कार्यकाल में पडोसी देशों की यात्रा करते हुए उनसे भारत के संबंधों को सौहार्दपूर्ण एवं विकासमूलक बनाने के प्रयास किये। इसी के तहत मोदी की तत्कालीन मालदीव दौरे का मुख्य उद्देश्य नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी के तहत सुरक्षा, विकास की दृष्टि के भारत के संबंधों को और मजबूत करना था। दौरे के दौरान मोदी को मालदीव के सर्वोच्च सम्मान 'निशान इजुद्दीन' से भी सम्मानित किया गया। दरअसल मालदीव की दक्षिण एशिया और हिन्द महासागर में जो स्ट्रेटजिक (सामरिक) लोकेशन है, वह भारत के लिए बेहद अहम है। मालदीव में पिछले कुछ सालों में चीन ने अपना प्रभुत्व बढ़ाया है, उसे हिंद महासागर क्षेत्र में सामरिक और रणनीतिक सहयोग बढ़ाने पर उल्लेखनीय सफलता भी मिली। लेकिन यह सब करने के पीछे चीन का मुख्य लक्ष्य मालदीव की भारत से दूरी बढ़ाना भी रहा, जिसमें उसे बड़ी सफलता मिली। इस प्रकरण की शुरुआत पिछले साल हुए राष्ट्रपति चुनाव में एक प्रत्याशी के तौर पर मुइज्जू ने भारत विरोधी भावनाओं पर दांव लगाया था। वह बार-बार सार्वजनिक तौर पर यह संकल्प करते देखे गए कि सत्ता में पहुंचते ही भारतीय सैनिकों को मालदीव से विदा कर देंगे। हालांकि सबको पता था कि भारतीय सैनिकों की वहां मौजूदगी सांकेतिक ही थी। भारत और मालदीव के बीच सदियों पुराने प्रेम एवं सौहार्द

के रिश्ते एकाएक तल्ख होते दिखाई देने लगा। मालदीव की तरफ से लगातार तनाव बढ़ाने वाले बयान आते रहे, लेकिन भारत की तरफ से फिर भी संतुलित नीति अपनाई जाती रही है। इसी दौरान मोदी की लक्षद्वीप यात्रा की, जिसका उद्देश्य कत्तई किसी भी देश के पर्यटन को नुकसान पहुंचाना नहीं था, बल्कि अपने देश में पर्यटन की नई संभावनाओं को तलाशना है। प्रधानमंत्री मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणियों के बाद सोशल मीडिया पर बॉयकाट मालदीव ट्रेंड होने लगा। इस हैशटैग के साथ लोगों के ऐसे पोस्ट की बाढ़ आ गई, जिसमें वे मालदीप और लक्षद्वीप की तुलना करते हुए लक्षद्वीप को बेहतर बता रहे है। मुइज्जू के भारत विरोध उनके अनेक मंत्रियों की तल्ख टिप्पणियों एवं रवैये के कारण वहां की अर्थ-व्यवस्था गिरने लगी, विशेषतः पर्यटन उद्योग को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा। मालदीव की नई सरकार के रुख को देखते हुए भारत ने भी वेट एंड वॉच की पॉलिसी अख्तियार कर ली। नतीजा यह हुआ कि भारत से छुट्टियां बिताने मालदीव जाने वाले टूरिस्टों की संख्या कम होने लगी। इस साल के शुरुआती चार महीनों की अवधि में वहां भारतीय टूरिस्टों की संख्या में 42 प्रतिशत घट गयी। ध्यान रहे, मालदीव की जीडीपी में टूरिज्म का योगदान 30 प्रतिशत है। इतना ही नहीं, भारत के सहयोग से चलने वाले इन्फ्रा प्रॉजेक्ट्स और हेल्थ, एजुकेशन और कृषि क्षेत्रों से जुड़े कई प्रॉजेक्ट्स का भविष्य भी अधर में लटका दिखाई देने लगा। मुइज्जू सरकार इनकी अनदेखी नहीं कर सकती थी। किसी अन्य देश का सहयोग भी इसकी भरपाई नहीं कर सकता था। ऐसे में मुइज्जू सरकार ने पिछले कुछ समय से अपने रुख में बदलाव का संकेत देना शुरू कर दिया था। भारत ने भी इन संकेतों का सम्मान किया। नतीजा यह कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मालदीव की यात्रा की, जिसके कारण दो पड़ोसी देशों के पुराने रिश्ते फिर पटरी पर लौटते दिख रहे हैं। मालदीव एक समय भारत का सहयोगी हुआ करता था। वहां की अर्थव्यवस्था चीन और भारत पर निर्भर है। हालांकि, मालदीव की भारत से नजदीकी हमेशा चीन को खटकती थी, जिस कारण उसने इस देश को अपने कर्ज के जाल में फंसाया। धीरे-धीरे इस देश की माली हालत बुरी होने लगी, जिसके बाद यहां चीन समर्थक और इंडिया आउट का नारा देने वाले मोहम्मद मुइज्जू की सरकार बनी। पाकिस्तान एवं चीन के दबाव में उनके नए राष्ट्रपति के सुर बदले। वहां भारत-विरोधी स्वर उग्रतम बने। मुइज्जू ने राष्ट्रपति बनने के बाद सबसे पहले चीन का ही दौरा किया था और इसके बाद उन्होंने कई भारत विरोधी फैसले किए, लेकिन इन स्थितियों के कारण हुए भारी नुकसान का झेलते हुए मालदीव चीन के मनसूबों का भाप गया। भारत का पड़ोसी देश मालदीव हिंद महासागर पर बसा है और इस कारण यह सुरक्षा की दृष्टि से भी अहम है। यहां की नई सरकार चीन के करीब दिख रही है और चीन अपने मनसूंबो को पूरा करने के लिये गलत रास्तों पर ढकेल रहा है। मालदीव के नए राष्ट्रपति ने तो अपने चुनाव प्रचार में ही 'इंडिया आउट' का नारा दिया था। भारत एवं मालदीव के बीच तल्खी अगर बढ़ती तो हिंद महासागर रीजन की सिक्योरिटी भारत के लिए परेशानी का सबब बन सकती है। चीन हमारे रिश्तों की तल्खी का फायदा उठाने की लगातार कोशिश कर रहा है। जिसका भारत ने खयाल रखा। इसलिए भारत सरकार की तरफ से संतुलित नीति पर बल दिया जाता रहा है, जबकि मालदीव की तरफ से तो लगातार काफी कुछ गलत कहा जाता रहा है। लेकिन मालदीव को भी यह समझ आ गया कि भारत से दूरी उसके लिये नुकसानदायी है। चीन की तुलना में भारत से मालदीव के हित ज्यादा गहराई से जुड़े हैं। फिर भी मुइज्जू भारत के साथ रिश्तों में आ रही संभावित दूरी की भरपाई चीन से करीबी रिश्तों के रूप में करना चाहते हैं। हालांकि एक्सपर्ट्स तब भी इस बात की ओर ध्यान खींच रहे थे कि भू-राजनीति की वास्तविकताओं के मद्देनजर यह संभव नहीं है कि मालदीव में जो भूमिका भारत निभा सकता है, वह चीन निभाने लगे। फिर भी चीन की शह पर भारत को आंख दिखाने की कोशिश होती रही है। राष्ट्रपति पद ग्रहण करने के बाद मुइज्जू के बयानों में हलकी सी नरमी जरूर दिखी, लेकिन नीतियों की दिशा बदलने का प्रयास फिर भी जारी रहा। लेकिन इससे हो रहे नुकसान को लेकर मुइज्जू सरकार सतर्क हो गयी। पर्यटन ही मालदीव की आय का सबसे बड़ा स्रोत है। भारत से करीब दो लाख से ज्यादा लोग हर साल मालदीव की यात्रा करते हैं। मालदीव में मौजूद भारतीय हाई कमिशन के आंकड़ों को मानें तो साल 2022 में 2 लाख 41 हजार और 2023 में करीब 2 लाख लोगों ने मालदीव की यात्रा की है। ऐसे में भारत-मालदीव के बीच बढ़ रही दूरी का असर मालदीव के टूरिज्म एवं आर्थिक व्यवस्था पर पड़ना स्वाभाविक था। भारत हमेशा अपने पड़ोसियों के प्रति अच्छा रहा हैं लेकिन चीन पोषित भारत विरोध की ऐसी अकारण नफरत भारत क्यों बर्दाश्त करें? निश्चित ही मालदीव के रवैये का दोनों देशों के बीच की सदियों पुरानी दोस्ती पर नकारात्मक प्रभाव पडा। भारतीय यदि मालदीव का बहिष्कार करने लगा तो वहां अर्थव्यवस्था चरमरा जायेगी, यह बात समझने में मालदीव को देर नहीं लगी। अपनी भूल को सुधारते हुए उसने भारत की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया है जो दोनों देशों के हित में है। भारतीय उपमहाद्वीप के देशों के केनवास पर शांति, प्रेम, विकास और सह-अस्तित्व के रंग भरने में भारत सक्षम है, पडोसी देशों में भारत ही मजबूत स्थिति में है, आर्थिक एवं सामरिक दोनों ही दृष्टि से भारत अपने पडोसी देशों में सशक्त एवं ताकतवर है, उसे मनोबल के साथ पडोसी देशों में स्थिरता, शांति, लोकतंत्र एवं आपसी समझ की ज्योत जलाने के लिये तत्पर रहना चाहिए, जो उन देशों के साथ भारत के लिये भी जरूरी है।

धन बर्बाद करके आप निर्धन होते है लेकिन समय बर्बाद करके आप अपना जीवन नष्ट करते है।

अज्ञात

जब आप दो बुराइयों में से छोटी बुराई को चुनते है, तो याद रखें कि वह अभी एक बुराई ही है।

मैक्स लर्नर

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, श्रावण मासे शुक्ल पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि नवमी, बुधवासरे, अनुराधा नक्षत्रे, ऐग योगे, तैतिल करणे, वृश्चिक की चंद्रमा, सर्वार्थ तथा अमृत सिद्ध योग रवियोग समस्त तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, जिद्दी-हठी, विचार पालन करने वाला, संकल्पी, धनी-मानी, विद्याभूषण, गुणवान, तेजवान, तेजस्वी स्वाभाव वाला, कर्मठ, दयालु, शिक्षक-शिक्षाविद्, शिक्षाशास्त्री, विद्यवान होगा।

मेष राशि :- कार्य-कुशलता एवं समृद्धि के योग फलप्रद हों तथा उत्साह से कार्य बनेंगे, धैर्य से कार्य करें।

वृष राशि :- कार्य तत्परता से लाभ होगा एवं इष्ट-मित्र सुखवर्धक होंगे, रुके कार्य तत्काल बना लें।

मिथुन राशि :- व्यावसायिक क्षमता में वृद्धि, कार्य-कुशलता से संतोष, बिगड़े कार्य शनैः शनैः बन जायेंगे।

कर्क राशि :- धन सोच-समझ कर लगायें अन्यथा हानि संभव है, मानसिक विभ्रम एवं क्लेश होगा।

सिंह राशि :- समय अनुकूल नहीं विशेष कार्य स्थगित रखें, लेने-देन के मामले में हानि हो सकती है।

कन्या राशि :- मानसिक विभ्रम के कारण परेशानी, सतर्कता से कार्य अवश्य करें, समय का ध्यान रखें।

तुला राशि :- भाग्य का सितारा प्रबल हो, बिगड़े कार्य अवश्य बनेंगे, कार्य-कुशलता से संतोष होगा।

वृश्चिक राशि :- कार्य कुशलता से संतोष, कार्य योजना फलीभूत अवश्य होगी, सफलता के साधन जुटायें।

धनु राशि :- धन लाभ, सफलता के साधन जुटायें, आशानुकूल सफलता से हर्ष होगा, ध्यान अवश्य दें।

मकर राशि :- आरोप-प्रत्यारोप, क्लेश संभव है, धन लाभ होगा, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा।

कुंभ राशि :- इष्ट-मित्र सुखवर्धक होंगे, स्त्री-शरीर कष्ट व चिन्ता व असमंजस से बचकर चलें।

मीन राशि :- इष्ट-मित्र सहायक रहें, दैनिक कार्य में अनुकूलता बनेगी, ध्यान रखकर कार्य करें उत्तम होगा।

हिंडनबर्गः काठ की हांड़ी बार-बार नहीं चढ़ती

डॉ.रामकिशोर उपाध्याय

हिंडनबर्ग कुछ समय से भारत के पीछे पड़ी हुई है। वह भारत में आर्थिक अस्थिरता उत्पन्न कर लाभ कमाने की जुगाड़ में है। पिछले वर्ष जनवरी में अमेरिका की इसी शॉर्ट सेलिंग कंपनी ने अडाणी समूह के शेयरों में हेराफेरी की आशंका वाली रिपोर्ट जारी कर भारतीय बाजार में तूफान खड़ा कर दिया। इस एक रिपोर्ट ने अडाणी समूह को संसार के अमीरों की सूची में चौथे पायदान से खिसकाकर सातवें नंबर पर पहुंचा दिया था। भारतीय निवेशकों का कई करोड़ रुपया एक झटके में डूब गया । तब विपक्ष ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के आधार पर अडाणी और सरकार को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उस समय हिंडनबर्ग रिपोर्ट को विपक्ष का पूरा समर्थन मिला और भारत के जनमानस में इस अमेरिकी कंपनी के बारे में यह छवि बनाई गई कि यह निस्वार्थ भाव से निवेशकों के हित में रिपोर्ट जारी करने वाली शोध संस्था है । इसके बाद सरकार, सेबी और सुप्रीम कोर्ट तीनों ने रिपोर्ट को गंभीरता से लेते हुए जांच का आश्वासन दिया । सुप्रीम कोर्ट ने विशेष कमेटी बनाकर जांच करवाई तो सेबी ने अपने स्तर पर कार्रवाई आरंभ कर दी । जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ी हिंडनबर्ग का एक नया रूप सबके सामने आने लगा । जिस रिपोर्ट के कारण निवेशकों का करोड़ों रुपया डूबा था उन आरोपों में कोई सच्चाई नहीं निकली। अपितु जांच में यह पाया गया कि इस झूठी रिपोर्ट से हिंडनबर्ग ने करोड़ों रुपये का लाभ कमाया और अडाणी व उनके निवेशकों को भारी क्षति हुई। जांच से देशवासियों को यह भी समझ आ गया कि भारत की अर्थव्यवस्था बहुत ही मजबूत है तथा सेबी और सरकार अपना काम भी ठीक से कर रही हैं। इस बार अगस्त में भारतीय शेयर बाजार नई ऊंचाइयों को छू रहा था तभी विश्व बाजार में कुछ घटनाएं एक साथ घटित हुईं। जापान में ब्याज दरों में अचानक वृद्धि हुई। अमेरिका में कथित मंदी की आशंका और जिओ पोलिटिकल टेंशन। इससे विश्व के बाजारों में तेज बिकवाली देखने को मिली। जापान के शेयर बाजार में एक दिन में बारह प्रतिशत से अधिक गिरावट दर्ज हुई। इस घटनाक्रम से भारतीय बाजार प्रभावित तो अवश्य हुआ किन्तु बुरी तरह नहीं टूटा। भारी दबाव के बीच भारतीय बाजार ने अपनी आत्मनिर्भरता का परिचय दिया। किन्तु इसी समय हिंडनबर्ग ने पिछले शनिवार को एक्स पर संदेश डाल कर सनसनी फैला दी। संदेश था- "समथिंग बिग सून इंडिया "। यह संदेश पूरे संसार में आग की भांति फैल गया। निवेशकों की रात की नींद उड़ गई, क्योंकि भारत में बड़ी संख्या में नए निवेशक भी जुड़ रहे हैं। एक बुरी खबर पूरे बाजार पर कितनी भारी पड़ सकती है इस बात को निवेशक भली-भांति जानते हैं। निवेशकों को मानसिक रूप से डराने और विचलित करने के बाद हिंडनबर्ग ने अपनी कथित रिपोर्ट जारी की। विपक्ष ने तत्काल इस रिपोर्ट पर कार्रवाई की मांग शुरू कर दी। इस बार उसने अडाणी के साथ-साथ भारतीय प्रतिभूत और विनिमय बोर्ड (सेबी) प्रमुख माधवी पुरी बुच और उनके पति को टार्गेट किया। उसने आरोप लगाया कि माधवी और उनके पति धवल बुच अडाणी की कंपनियों में निवेशक रहे हैं इसलिए अडाणी के विरुद्ध सही जांच नहीं हुई। इस रिपोर्ट के आते ही देश विरोधी पूरा इको सिस्टम सक्रिय हो गया। सेवी प्रमुख का इस्तीफा मांगा जाने लगा। भारतीय शेयर बाजार गहरे संकट में डूबने वाला है। यहां घोटाले हो रहे हैं आदि-आदि ऐसा माहौल बनाने की कोशिश की गई। कहावत है कि काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती। इसलिए सजग पत्रकारों, भारत के आर्थिक विश्लेषकों और निवेशकों ने पूरे मामले को ध्यान से समझा और आत्मचिंतन किया। लोगों को समझ आ गया कि हिंडनबर्ग जिसे सनसनीखेज समाचार कह रहा है, उसमें कोई दम नहीं है। जिन लोगों को उम्मीद थी कि सोमवार को भारत का शेयर बाजार लाल हो जाएगा, उनके इन इरादों पर निवेशकों ने पानी फेर दिया। लोगों को यह समझ आ गया कि ये झूठे आरोप सेबी की पारदर्शिता एवं निवेशकों के विश्वास को क्षति पहुंचाने का कुत्सित षड्यंत्र हैं। इस रिपोर्ट को भारतीय बाजार के अधिकांश विश्लेषकों ने कूटरचित और फर्जी माना। शेयर बाजार के जानकार और विश्लेषक सुशील केडिया ने तो इसे धूर्तता से बनाया गया डॉक्यूमेंट तक कह दिया।

जब बंटा देश- किसने दिया था शरणार्थियों को सहारा

आर.के. सिन्हा

मनोज कुमार को सारा देश उनकी देशभक्ति से रची-बसी फिल्मों की मार्फत बखूबी जानता है। उन्होंने एक बार बताया था कि उनका परिवार जब देश के बंटवारे के बाद सरहद के उस पार से लूटा-पिटा 1947 में दिल्ली में आया तो उनके परिवार के कई सदस्य दंगाइयों के हमलों के कारण चोटग्रस्त थे। उनका छोटा भाई बीमार था। तब उन सबका इलाज सेंट स्टीफंस अस्पताल में हुआ था। उस दौर में दिल्ली जंक्शन, जिसे पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन भी कहा जाता है, में आ रहे शरणार्थियों को दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी (डीबीएस) के वालंटियर इलाज के लिए अपने सेंट स्टीफंस अस्पताल लेकर जा रहे थे या फिर सिविल लाइंस के ब्रदरहुड हाउस परिसर में शरण दे रहे थे। देश के बंटवारे के कारण पाकिस्तान से लाखों हिन्दू और सिख शरणार्थी दिल्ली आए थे। ये ज्यादातर दिल्ली जंक्शन पर ही आते थे। तब इनके पास नए शहर में खुले आसमान के अलावा कुछ नहीं होता था। उस भीषण दौर में दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी, राष्ट्र स्वंयसेवक संघ और कुछ सिख संगठनों के कार्यकर्ता ही शरणार्थियों को मदद दे रहे थे। दरअसल भारत के लिए हरेक स्वाधीनता दिवस दो तरह की अनुभूतियां लेकर आता है। पहला, देश को ब्रिटिश सरकार के चंगुल से मुक्ति मिल गई। इसलिए उन तमाम स्वाधीनता सेनानियों के प्रति मन में अपार श्रद्धा का भाव पैदा होने लगता है, जिनके बलिदानों की वजह से गोरे यहां से गए। दूसरा, देश को 15 अगस्त 1947 को आजादी के साथ बंटवारे का दंश भी झेलना पड़ा। भारत दो भागों में बंट गया। उस दौर में राजधानी दिल्ली में लाखों हिन्दू और सिख शरणार्थी आ गए थे। तब दिल्ली जंक्शन पर आने वालों में मिल्खा सिंह भी थे। वे आगे चलकर महान धवाक बने। देश के बंटवारे के समय इंसानियत मरी पड़ी थी। मिल्खा सिंह के माता-पिता का कत्ल कर दिया गया था। पर तब भी कुछ फरिश्ते तो मौजूद थे ही। वे उन्हें रेल के लेडीज कूपे में छिपाकर ले आए थे। वे अपनी बहन से बिछड़ गए थे। जरा सोचिए कि अनजान और विभाजन के कारण अस्त-व्यस्त शहर में मिल्खा सिंह अपनी दंगों के दौरान गुम हो गई बहन को कैसे खोज रहे होंगे। पर उन्होंने अपनी बहन को अंततः तलाश कर लिया था। देश की राजधानी होने के बावजूद दिल्ली विभाजन की घड़ी में उस समय , आज के मुकाबले एक छोटा सा शहर ही तो था । तब सेंट स्टीफंस अस्पताल की हेड डॉ. रूथ रोसवियर के नेतृत्व में यहां घायल और बीमार शरणार्थियों का इलाज हो रहा था। डॉ.रूथ ब्रिटिश नागरिक थीं। इस अस्पताल को दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी ने 1885 में खोला था। इसी ने सेंट स्टीफंस कॉलेज स्थापित किया था। अब इसने सोनीपत में सेंट स्टीफंस कैम्ब्रिज स्कूल भी खोला है। दूसरी ओर देखें तो करोल बाग में डॉ. एन.सी.जोशी उस संकट के दौर में दिल्ली वालों की सेवा में जुटे रहते थे। करोल बाग में 1947 के दौरान जब दंगे भड़के तो उसके शिकार डॉ.जोशी भी हो गए थे। उधर, इरविन अस्पताल (अब लोक नायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल) के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ बनवारी लाल और उनके कबूल चंद वाल्मिकी जैसे मेहनती साथियों के द्वारा रोगियों का दर्द दूर किया जा रहा था। दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी के वर्कर बहुत से रोगियों को लेडी हार्डिंग मेडिकल अस्पताल भी इलाज के लिए लेकर जा रहे थे। तब तक नई दिल्ली एरिया का यह एकमात्र कायदे का अस्पताल था। उस दौर में इधर की प्रिंसिपल-डायरेक्टर डॉ. के.जे. मैक्डरमेट (1946- 1948) और डॉ. ओ.पी.बाली (1948-1950) की देखरेख में रोगियों की भीड़ का खुशी-खुशी इलाज हो रहा था। 1947 तक इधर की छात्राएं अपना सालाना इम्तिहान देनेके लिए लाहौर जाती थीं। उनका इम्तिहान किंग एडवर्ड मेडिकल कालेज में होता था। तब ये कॉलेज पंजाब यूनिवर्सिटी का हिस्सा था। इस बीच, दिल्ली वालों की सेवा करने में डॉ. विशम्भर दास भी थे। उन्होंने सन 1922 में नई दिल्ली एरिया में बिशम्भर फ्री होम्यैथिक डिस्पेंसरी की स्थापना की और जीवनपर्यंत दीन-हीनों का इलाज करते रहे। उनके नाम पर डॉ. विशम्बर दास मार्ग है,जिसे 1965 से पहले एलेनबे रोड कहा जाता था। आपको अब भी बहुत सारे शरणार्थी परिवार मिल जाएंगे जो बताएंगे कि अगर दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी से जुड़े फादर इयान वेदरवेल और उनके साथियों का साथ ना मिलता तो वे कहीं के नहीं रहते। वे विभाजन के कारण सड़क पर आ गए थे। फादरवेदरवेल दिन-रात शरणार्थियों के पुनर्वास में लगे थे। 1925 में स्थापित ब्रदरहुड हाउस में हर रोज शरणार्थियों को रहने के लिए छत और गरम और ताजा भोजन मिल रहा था। वेदरवेल का भारत से सबसे पहले रिश्ता तब स्थापित हुआ था जब दूसरा विश्व महायुद्ध चल रहा था। वे ब्रिटेन की फौज में थे। पंजाब रेजीमेंट में थे। भारत के कुछ शहरों में रहे भी थे। विश्व महायुद्ध की समाप्ति के बाद उनका जीवन बदला। उनका सैनिक की नौकरी से मन उखड़ने लगा। वे युद्ध के विरूद्ध बोलने- लिखने लगे। उन्होंने जंग के कारण होने वाली तबाही को अपनी आंखों से देखा था। उससे वे विचलित रहने लगे थे। उन्हें युद्ध की निरर्थकता समझ आ गई थी। तब उन्होंने कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी से थीआलजी (धर्म शास्त्र) की डिग्री ली। वे अपने जीवन में शांति चाहते थे। समाज सेवा करने की उनकी इच्छा थी। कुछ समय तक लंदन में रहे और फिर भारत आ गए। फादर इयान वेदरवेल ने फिर अपना शेष जीवन गरीब गुरुबा और हाशिये पर धकेल दिए लोगों के हक में काम करने में लगा दिया। फादर इयान वेदरवेल फादर वेदरवेल की जान बसती थी भारत में। उन्हें यहां का सब कुछ अच्छा लगता था। यहां के लोग, बच्चे, पेड़, पौधे, नदियां वगैरह। फादर वेदरवेल की शख्सियत पर महात्मा गांधी का प्रभाव साफ नजर आता था। भारत जब अपना स्वाधीनता दिवस मना रहा है, तब हमें स्वाधीनता सेनानियों के साथ-साथ उन तमाम अनाम शख्सियतों का स्मरण कर लेना चाहिए जिन्होंने शरणार्थियों को सहारा दिया था। एक बात समझ लें कि तब देश में सरकार नाम की कोई चीज नहीं रह गई थी। सब तरफ अराजकता और अव्यवस्था थी। उस दौर में निस्वार्थ भाव से शरणार्थियों का साथ देने वालों को सदैव याद रखा जाना चाहिए।

अखंड भारत ही बनेगा विश्व गुरु

सुरेश हिन्दुस्थानी

वर्तमान में जब कहीं से भी देश को तोड़ने की बात आती है तो स्वाभाविक रूप से उसका प्रतिकार भी जबरदस्त तरीके से होता है। यह प्रतिकार निश्चित रूप से उस राष्ट्रभक्ति का परिचायक है, जो इस भारत देश को देवभूमि भारत के रूप में प्रतिस्थापित करने का प्रमाण प्रस्तुत करने का अतुलनीय सामर्थ्य रखती है। यह आज के समय की बात है, लेकिन हम उस कालखंड का अध्ययन करें, जब भारत के विभाजन हुए। उस समय के भारतीयों के मन में विभाजन का असहनीय दर्द हुआ। जो असहनीय पीड़ा के रूप में उनके जीवन में प्रदर्शित होता रहा और देश को जगाते-जगाते वे परलोक गमन कर गए। अभी तक भारत देश के सात विभाजन हो चुके हैं। जरा कल्पना कीजिए कि अगर आज भारत अखंड होता तो वह दुनिया की महाशक्ति होता। उसके पास मानव के रूप में जनशक्ति का प्रवाह होता। लेकिन विदेशी शक्तियों ने भारत के कुछ महत्वाकांक्षी शासकों को प्रलोभन देकर भारत पर एकाधिकार किया और योजना पूर्वक भारत को कमजोर करने का प्रयास किया। आज जिस भारत की तस्वीर हम देखते हैं, वह अंग्रेजों और उन जैसी मानसिकता रखने वाले लालची भारतीयों द्वारा किए गए कुकृत्यों का परिणाम ही है, लेकिन आज भी भारत में एक वर्ग ऐसा भी है, जिनकी आंखों में अखंड भारत का सपना है। उनके मन में अखंड भारत बनाने का संकल्प है। इसी संकल्प के आधार पर वे सभी इस दिशा में सार्थक प्रयास भी कर रहे हैं। अखंड भारत स्मृति दिवस पर महर्षि अरविंद का स्मरण जरूरी है। भारतीय मनीषी और राष्ट्र के साथ एकात्म भाव रखने वाले महर्षि अरविंद ने विभाजन

के असहनीय दर्द को आमजन की दृष्टि से देखने का आध्यात्मिक प्रयास किया। तब उनकी आंखों के सामने अखंड भारत का स्वरूप दिखाई दिया। योगीराज महर्षि अरविंद ने 67 वर्ष पूर्व 1957 में कहा था कि देर कितनी भी हो जाए, पाकिस्तान का विघटन और उसका भारत में विलय होना निश्चित है। राष्ट्र के प्रति इसी प्रकार का एकात्म भाव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर उपाख्य श्रीगुरुजी के जीवन में भी दृष्टव्य होता रहा। वे अपने शरीर को भारत देश की प्रतिकृति ही मानते थे। जब भी देश पर कोई संकट आता था, तब उनके शरीर में वैसा ही कष्ट होता था। इसलिए कहा जा सकता है कि उनको राष्ट्र की समस्याओं का पूर्व आभास भी होता था। जहां तक अखंड भारत की बात है तो यह मात्र कहने भर के लिए ही नहीं, बल्कि एक शाश्वत विचार है, जो आज भी भारत की हवाओं में गुंजायमान होता रहता है। विचार करने वाली बात यह भी है कि जब भारत देश के टुकड़े नहीं हुए थे, तब हमारा देश पूरे विश्व में ज्ञान का आलोक प्रवाहित कर रहा था। विश्व का सर्वश्रेष्ठ ज्ञान भारत के संत मनीषियों के पास विद्यमान था। इसलिए भारत के सिद्ध संत केवल भारत के संत न होकर जगद्गुरु के नाम से विख्यात हुए। उनकी दृष्टि में पूरा विश्व एक परिवार की तरह ही था। लेकिन ऐसा क्या हुआ कि भारत कई बार विभाजित होता रहा और आज जो भारत दिखाई देता है, वह भारत का एक टुकड़ा भर है। भारत के विभाजन का अध्ययन किया जाए तो हमें यह भी ध्यान में रखना होगा कि यह विभाजन भारत की भूमि के टुकड़े करके ही हुए हैं। जिस भारत को हम माता के स्वरूप में पूजते आए हैं, उसे कम से कम वे लोग तो स्वीकार नहीं कर सकते, जो भारत की भक्ति में लीन हैं। इतिहास का अध्ययन करने से पता चलता है कि महाभारतकालीन गांधार देश यानी आज का अफगानिस्तान वर्ष 1747 में भारत से अलग हो गया। इसी प्रकार 1768 से पूर्व नेपाल भी भारत का अंग ही था। 1907 में भारत से अलग होकर भूटान देश बना। 1947 में पाकिस्तान का निर्माण हुआ। 1948 में श्रीलंका अस्तित्व में आया। इसी प्रकार पाकिस्तान से अलग हुआ बांग्लादेश 1971 में एक अलग देश के रूप में स्थापित हुआ। जरा विचार कीजिए ये सभी देश आज भारत का हिस्सा होते तो भारत की शक्ति कितनी होती? आज कोई अखंड भारत की बात करता है तो कई लोग इसे असंभव कहने में संकोच नहीं करते। यहां पहली बात तो यह है कि हम किसी देश को छीनने की बात नहीं कर रहे हैं, बल्कि अपने देश के विभाजित भाग को भारत में मिलाने की ही बात कर रहे हैं। कभी भारत के हिस्से रहे देश को भारत में मिलाने की बात करना असंभव नहीं माना जा सकता। आज धीरे ही सही, लेकिन भारत उस दिशा की ओर प्रवृत्त हुआ है। जबकि जो देश भारत से अलग हुए हैं, उनमें से अधिकांश देश बहुत बुरे दौर से गुजर रहे हैं। श्रीलंका की स्थिति सबके सामने है। पाकिस्तान भी उसी राह पर बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। बांग्लादेश में भुखमरी के हालात हैं। अफगानिस्तान खौफ के वातावरण में जी रहा है। सवाल यह उठता है कि इन देशों को भारत से अलग होने के बाद क्या मिला? कुछ नहीं। वर्तमान में भारत में राष्ट्रीय एकता का भाव भी है तो भारत की संस्कृति का प्रवाह भी। भारतीय संस्कृति सबको जोड़ने का प्रयास करती है, जबकि अन्य संस्कृति में विश्व बंधुत्व का भाव नहीं है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि भारतीय संस्कृति के माध्यम से पूरे विश्व को एक ऐसी दिशा का बोध कराया जा सकता है, जहां शांति भी है और प्रगति के रास्ते भी हैं। अब इस दिशा में और अधिक तेजी से कदम बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके लिए अब समय अनुकूल है। इसलिए सभी भारतीय नागरिक इस दिशा में आगे आकर उस प्रवाह में शामिल होने का प्रयास करें, जो भारत को अखंड बनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। अखंड भारत की संकल्पना जहां भारत को ठोस आधार प्रदान करने में सहायक होगा, वहीं यही आधार भारत को पुनः विश्व गुरु के सिंहासन पर आसीन करेगा, यह तय है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

एमेजॉन से हर महीने कमा सकते हैं 60-90 हजार रुपए

दुनिया की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स वेबसाइट एमेजॉन के बारे में तो सभी जानते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एमेजॉन लोगों को नौकरी देने का काम भी करता है। भारत देश में भी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म एमेजॉन की नौकरी अवेलेबल हैं।

दुनिया की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स वेबसाइट एमेजॉन के बारे में तो सभी जानते हैं। यह दुनियाभर में शॉपिंग के लिए सबसे जाना-माना और फेमस ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म है। दुनियाभर से कई सारे लोग इस शॉपिंग एप्प से शॉपिंग करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एमेजॉन लोगों को नौकरी देने का काम भी करता है। भारत देश में भी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म एमेजॉन की नौकरी अवेलेबल हैं। वहीं इनमें से एमेजॉन एक ऐसी भी नौकरी देता है। जिसमें आपको पूरा दिन नौकरी करने की जरूरत नहीं है। आपको सिर्फ दिन के 4-5 घंटे ही काम करना होगा। जिसके बदले में आपको 60-90 हजार रुपए तक की सैलरी उठाने का मौका मिलेगा। तो ऐसे में अगर आप भी नौकरी की तलाश में हैं। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप एमेजॉन में कैसे सिर्फ कुछ घंटे काम कर हजारों रुपए कमा सकते हैं।

जानिए कैसे कमाएं

आपको बता दें कि इसमें डिलीवरी बॉय की नौकरी कर आप महीने में 60-90 हजार रुपए तक आराम से कमा सकते हैं। इसमें आपको शॉपिंग करने वाले कस्टमर्स के पास उनका पैकेज डिलीवर करना होगा। डिलीवरी बॉय एमेज़ॉन के वेयरहाउस से कस्टमर्स के घर तक पैकेज को सही सलामत डिलीवर करना होता है। वहीं डिलीवरी रेंज 10-15 किमी के बीच होती है। जिसमें बहुत अधिक समय नहीं लगता है। यानी की आप सिर्फ दिन के 4-5 घंटे काम कर 100 से 150 पैकेज डिलीवर कर सकते हैं। वहीं एमेजॉन कंपनी की तरफ से एक डिलीवरी पर 20 रुपए दिए जाते हैं। ऐसे में अगर आप एक दिन में 100 पैकेज डिलीवर करते हैं। तो आपकी एक दिन की कमाई 2000 रुपए होगी। इस तरह से आप महीने में 60,000 रुपए कमा सकते हैं। वहीं एक दिन में 150 पैकेज डिलीवर करने पर आप दिन में 3,000 तो वहीं महीने में 90,000 रुपए तक कमा सकते हैं।

जानिए कैसे करें अप्लाई

- डिलीवरी बॉय की नौकरी के लिए सबसे पहले आप इसके ऑफिशियल वेबसाइट पर क्लिक कर जॉब के लिए अप्लाई करें।
- फिर अपनी डिग्री, मार्कशीट, खुद की गाड़ी का प्रूफ, ड्राइविंग लाइसेंस और आरसी के पेपर आदि सबमिट करें।
- इसके बाद आपको डिलीवरी के दौरान ध्यान रखने वाली सभी बातों के बारे में बताया जाएगा और ट्रेनिंग दी जाएगी।
- यह प्रोसेस पूरा होने के बाद आप नौकरी करना शुरूकर सकते हैं।
- हालांकि डिलीवरी के दौरान होने वाला पेट्रोल-डीजल का खर्चा आपको खुद ही उठाना पड़ता है।

कॉस्मेटोलॉजी के फील्ड में संवारें अपना कॅरियर

अगर आप भी न सिर्फ खुद को बल्कि दूसरों की भी पर्सनालिटी को निखानने और उनको खूबसूरत बनाने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आप कॉस्मेटोलॉजी के क्षेत्र में अपना कॅरियर बना सकते हैं। वर्तमान समय में कॉस्मेटोलॉजी इंडस्ट्री तेजी से ग्रोथ कर रहा है।

आज के समय में हर कोई स्टाइलिश दिखना चाहता है। यही कारण है कि वर्तमान समय में न सिर्फ शहर बल्कि गांव तक में ब्यूटी सैलून, स्पा और कॉस्मेटिक क्लिनीक्स में दिन पर दिन इजाफा होता जा रहा है। जिसकी वजह से तेजी से कॉस्मेटोलॉजी इंडस्ट्री में ग्रोथ आ रहा है। आपको बता दें कि ब्यूटी एंड पर्सनल केयर मार्केट के रिपोर्ट के मुताबिक साल 2027 तक भारत की कॉस्मेटोलॉजी इंडस्ट्री की वर्थ 33.3 मिलियन यूएस डॉलर पहुंच जाएगी।

ऐसे में अगर आप भी न सिर्फ खुद को बल्कि दूसरों की भी पर्सनालिटी को निखानने और उनको खूबसूरत बनाने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आप कॉस्मेटोलॉजी के क्षेत्र में अपना कॅरियर बना सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप कॉस्मेटोलॉजी में किस तरह से अपना कॅरियर बना सकते हैं।

कॉस्मेटोलॉजी के लिए योग्यता

कॉस्मेटोलॉजी में ग्रेजुएशन करने के लिए जरूरी है कि आपने मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं पास की है। किसी भी स्ट्रीम के छात्र कॉस्मेटोलॉजी में अपना कॅरियर बना सकते हैं। इस कोर्स को करने में 10 हजार से लेकर 2 लाख रुपए तक का खर्च आएगा। साथ ही आप इस कोर्स को ऑनलाइन और ऑफलाइन कर सकते हैं।

कॉस्मेटोलॉजी में आप डिप्लोमा, सर्टिफिकेट, पीजी डिप्लोमा और पोस्ट ग्रेजुएट कर सकते हैं।

इन संस्थानों से करें कॉस्मेटोलॉजी कोर्स

- राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र
- तमिलनाडु ओपन यूनिवर्सिटी, तमिलनाडु
- कमला नेहरू कॉलेज फॉर वुमेन, पंजाब
- यूनिवर्सिटी ऑफ मुंबई, महाराष्ट्र
- कन्या महाविद्यालय, पंजाब

कॉस्मेटोलॉजी का स्कोप

इस क्षेत्र में पढ़ाई करने वाले लोग कॉस्मेटिक सर्जन, मेकअफ आर्टिस्ट, हेयर स्टाइलिस्ट, नेल आर्टिस्ट, मेकअप आर्टिस्ट, ब्यूटी कॉपीराइटर, ब्यूटी ब्लॉगर, इमेज स्टाइलिस्ट, हेयर ड्रेसर और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट जैसे प्रोफाइल पर काम कर सकते हैं। इस क्षेत्र में आप एक महीने में 25 हजार से 35 हजार रुपए तक आसानी से कमा सकते हैं। वहीं आप बतौर हेयर स्टाइलिस्ट, नेल टेक्नीशियन, फैशन शो स्टाइलिस्ट और मेकअप आर्टिस्ट बन ज्यादा पैसे कमा सकते हैं।

ये स्किल्स आएंगे काम

- प्रॉब्लम सॉल्विंग एबिलिटी
- टाइम मैनेजमेंट स्किल्स
- फिजिकल स्टैमिना
- हस्त-निपुणता
- ट्रेंड अवेयरनेस
- कम्युनिकेशन
- क्रएटिविटी
- स्वच्छता

गेमिंग इंडस्ट्री में नौकरी के मिलेंगे बेहतरीन अवसर

समय के साथ ही कोर्सेज और नौकरी के अवसरों में काफी बदलाव आ चुका है। ऐसे में आप गेमिंग इंडस्ट्री में भी अपना शानदार कॅरियर बना सकते हैं। ऐसे में आप 12वीं के बाद एनीमेशन, गेम राइटर, गेम डिजाइनिंग या गेम डेवलपर कोर्स कर सकते हैं।

आजकल के युवा अपने कॅरियर को लेकर काफी परेशान रहते हैं। लेकिन बता दें कि इंजीनियरिंग और मेडिकल के अलावा भी कई ऐसे कोर्सेज हैं, जिनको करने के बाद आप अपने कॅरियर को नई उड़ान दे सकते हैं। साथ ही इन कोर्स को करने में कम पैसा खर्चा होता है। साथ ही इन कोर्स को करने के बाद आप जॉब के अलावा अपना खुद का बिजनेस भी शुरूकर सकते हैं। आपको बता दें कि समय के साथ ही कोर्सेज और नौकरी के अवसरों में काफी बदलाव आ चुका है। ऐसे में आप गेमिंग इंडस्ट्री में भी अपना शानदार कॅरियर बना सकते हैं। आज के दौर में न सिर्फ बच्चे बल्कि बड़े लोगों के बीच भी गेम खेलने का शौक देखने को मिलता है। इस दौर में हर कोई ऑनलाइन गेम खेलना पसंद करता है। जिसके कारण यह फील्ड अरबों डॉलर का हो गया है। ऐसे में अगर आप भी उन लोगों में शामिल हैं, जो रोजाना कई घंटे गेम खेलते हुए अपना समय कंप्यूटर या मोबाइल पर बिताते हैं। ऐसे में आप भी इस फील्ड में कॅरियर बनाकर अच्छी सैलरी उठा सकते हैं। आपको बता दें कि आप 12वीं के बाद एनीमेशन, गेम राइटर, गेम डिजाइनिंग या गेम डेवलपर कोर्स कर सकते हैं। ऐसे में अगर आप भी इस फील्ड में जाना चाहते हैं। तो आप किसी भी यूनिवर्सिटी या संस्थान से गेमिंग में डिप्लोमा, सर्टिफिकेट और स्नातक की डिग्री का कोर्स कर सकते हैं।

यहां हैं जॉब ऑप्शन

हांलाकि अब गेमिंग इंडस्ट्री में कॅरियर बनाना काफी आसान हो गया है। ऐसे में आप भी ऊपर बताए गए कोर्स को करने के बाद इस फील्ड में अपना भविष्य बना सकते हैं। इस फील्ड में आप गेम डिजाइनर, एनिमेटर, ऑडियो प्रोग्रामर, ग्राफिक प्रोग्रामर, गेम प्रोड्यूसर, स्पोर्टस प्रोफेशनल्स, मैनेजर्स, कास्टर्स, स्ट्रीमर्स, इंफ्यूएंसस बन सकते हैं। इसके अलावा आजकल मॉल्स आदि में भी गेम जोन बने होते हैं। जिनसे अच्छी खासी कमाई की जा सकती है।

कोर्स

- बीए (ऑनर्स) कंप्यूटर गेम्स डिजाइन
- बीएससी इन एनीमेशन एवं गेमिंग
- यूआइ/यूएक्स डिजाइनिंग
- बीएससी इन गेमिंग
- बीएससी इन एनिमेशन गेम डिज़ाइन

इंटरव्यू में बार-बार मिल रही असफलता तो अपनाएं ये टिप्स

किसी भी जॉब इंटरव्यू के लिए कम्युनिकेशन स्किल का अच्छा होना जरूरी होता है। क्योंकि इंटरव्यू के दौरान आपकी स्थिति को बढ़ाने व बिगाड़ने की क्षमता कम्यूनिकेशन के पास होती है। ऐसे में इन टिप्स को फॉलो कर कम्यूनिकेशन स्किल को मजबूत और बेहतर कर सकते हैं।

अक्सर देखा जाता है कि इंटरव्यू के दौरान कैंडिडेट थोड़ा नर्वस रहते हैं। इसका मुख्य कारण कांफिडेंस की कमी का होना माना जाता है। ऐसे में अगर आप कॉन्फिडेंट होते हैं, तो आप किसी भी इंटरव्यू को आसानी से पार कर सकते हैं। ऐसे में अब आप सोच रहे होंगे कि कांफिडेंस कैसे बढ़ता है, तो बता कि कम्युनिकेशन स्किल में कमी होने पर कांफिडेंस कम होता है। क्योंकि अगर किसी उम्मीदवार की कम्युनिकेशन स्किल कमजोर होती है, तो वह डरा-सहमा महसूस करता है। फिर चाहे वह कितना भी जानकार क्यों न हो।

कैसे बढ़ाएं कम्यूनिकेशन स्किल

किसी भी जॉब इंटरव्यू के लिए कम्युनिकेशन स्किल का अच्छा होना काफी जरूरी होता है। क्योंकि इंटरव्यू के दौरान आपकी स्थिति को बढ़ाने व बिगाड़ने की क्षमता कम्यूनिकेशन के पास होती है। ऐसे में आप इन टिप्स को फॉलो कर अपनी कम्यूनिकेशन स्किल को मजबूत और बेहतर कर सकते हैं।

ठीक से सुने प्रश्न

इंटरव्यू के दौरान पूछे गए प्रश्नों को ध्यान से सुनकर तभी उत्तर देना चाहिए। क्योंकि जब आप अच्छे से सवाल को समझेंगे तो उसका उचित उत्तर दे सकेंगे। वहीं आपका यह तरीका इंटरव्यू लेने वाले व्यक्ति पर आपकी अलग छाप छोड़ता है।

स्पष्ट और सरल भाषा में दे जवाब

इंटरव्यू के दौराम आपको आसानी से समझ आने वाली भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए। इस दौरान आप सरल और स्पष्ट तरीके से अपनी बात रखें। सरल भाषा के इस्तेमाल से आप शब्दजाल में नहीं फसेंगे। साथ ही कम शब्दों से सही से जवाब दें। क्योंकि अगर आप बहुत लंबा उत्तर देते हैं, तो यह सामने वाले व्यक्ति को विचलित कर सकता है।

पॉजिटिव बॉडी लैंग्वेज

इंटरव्यू के दौरान आपकी बॉडी लैंग्वेज का पॉजिटिव होना बहुत जरूरी है। आई कॉन्टैक्ट और हाथों के इशारों का इस्तेमाल करें। इससे इंटरव्यू लेने वाले व्यक्ति को लगेगा कि आपके अंदर कांफिडेंस है। इस दौरान आपको पेशेवर और औपचारिक लहजा अपनाना चाहिए। भले ही फिर आप कितने ही चुनौतीपूर्ण स्थिति का सामना क्यों न कर रहे हों।

लचीलापन

इस दौरान अपने कम्यूनिकेशन में लचीलापन जरूर रखें। इससे सामने वाले पर आपका अच्छा इम्पैक्ट पड़ेगा। क्योंकि कुछ लोग औपचारिक तरीके से तो कुछ लोग अन्य अनौपचारिक तरीके से बातचीत करना पसंद करते हैं।

मजेदार तरीके से दें जवाब

किसी भी प्रश्न के जवाब में आप उदाहरण के तौर पर सिचुएशन, टास्क, एक्शन, रिजल्ट मेथेड का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपका जवाब थोड़ा इंट्रेस्टिंग बन सकता है।

पुरमा बनर्जी से लेकर-पीवी सिंधु तक रहे भारत के ओलंपिक में राष्ट्रीय ध्वजवाहक

पेरिस। भारत की ओर से ओलंपिक खेलों के उद्घाटन समारोह में राष्ट्रीय ध्वजवाहक बनने वाले पहले एथलीट पुरमा बनर्जी के बाद अब तक 20 एथलीटों को यह सम्मान मिला है। उन्होंने कई बार अपनी उपलब्धियों से देश को गौरवान्वित किया है। उनकी पहचान भारत के महान खिलाड़ियों के रूप में होती है। आजाद भारत में लंदन ओलंपिक 1948 के पहले ध्वजवाहक होने का सम्मान भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के प्रेरणादायक पहले कप्तान डॉ. तालीमरीन एओ को मिला। अब तक बीस भारतीय एथलीट्स को ध्वजवाहक बनने का सम्मान हासिल किया है लेकिन इनमें से केवल आठ ही एथलीट्स हैं, जिन्होंने ओलंपिक में पदक जीता। स्प्रिंटर शाइनी-अब्राहम विल्सन 1992 बार्सिलोना ओलंपिक में देश

की ओलंपिक ध्वजवाहक का सम्मान पाने वाली पहली भारतीय महिला थी। शाइनी के अलावा ये सम्मान पाने वाली अन्य महिला अंजू बॉबी जॉर्ज हैं, जिन्होंने 2004 एथेंस ओलंपिक में ये उपलब्धि हासिल की थी। ओलंपिक में भारतीय हॉकी की एक बेहतरीन विरासत है। भारतीय टीम ने हॉकी में आठ स्वर्ण, दो सिल्वर और तीन कांस्य पदक जीते हैं, इसलिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि हॉकी खिलाड़ियों ने ओलंपिक (06) में भारत के लिए सबसे अधिक बार झंडा उठाया है। ओलंपिक में पहली बार भारत की ओर से दो ध्वजवाहक रहे। टोक्यो ओलंपिक 2020 खेलों में मुक्केबाज मैरी कॉम और हॉकी खिलाड़ी मनप्रीत सिंह को ध्वजवाहक बनने का गौरव हासिल हुआ।

ओलंपिक में भारत के ध्वजवाहक इस प्रकार है

- 1920 - पुरमा बनर्जी (एथलेटिक्स)
- 1932 - लाल शाह भोकरी (हॉकी)
- 1936 - ध्यानचंद (हॉकी)
- 1948 - तालीमरीन एओ (फुटबॉल)
- 1952 - बलबीर सिंह सीनियर (हॉकी)
- 1956 - बलबीर सिंह सीनियर (हॉकी)
- 1964 - गुरबचन सिंह रंधावा (एथलेटिक्स)
- 1972 - डेसमंड-नेविल डिवाइन जोन्स (मुक्केबाजी)
- 1984 - जफर इकबाल (हॉकी)
- 1988 - करतार सिंह ढिल्लों (कुश्ती)
- 1992 - शाइनी-अब्राहम विल्सन (एथलेटिक्स)
- 1996 - परगट सिंह (हॉकी)
- 2000 - लिएंडर पेस (टेनिस)
- 2004 - अंजू बॉबी जॉर्ज (एथलेटिक्स)
- 2008 - राज्यवर्धन सिंह राठौड़ (निशानेबाजी)
- 2012 - सुशील कुमार (कुश्ती)
- 2016 - अभिनव बिंद्रा (निशानेबाजी)
- 2020 - मैरी कॉम (निशानेबाजी) और मनप्रीत सिंह (हॉकी)
- 2024 - शरत कमल (टेबल टेनिस) और पीवी सिंधु (बैडमिंटन)

2024 में सबसे ज्यादा छक्के यशस्वी जायसवाल ने मारे

19 पारियों में यशस्वी के बल्ले से 42 छक्के निकले

नई दिल्ली। हम आपको आज 2024 में अभी तक इंटरनेशनल मैचों में सबसे ज्यादा छक्के मारने वाले बल्लेबाज के बारे में बताते हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट में 2024 में सबसे ज्यादा छक्के यशस्वी जायसवाल ने मारे हैं। 14 मैच की 19 पारियों में यशस्वी के बल्ले से 42 छक्के निकले हैं। टी20 वर्ल्ड कप के दौरान उन्हें भारत के लिए एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था। छक्कों के रिकॉर्ड में रोहित शर्मा का नाम नहीं हो, ऐसे नहीं हो सकता। रोहित ने इस साल अभी तक 25 पारियों में बल्लेबाजी की है। भारतीय कप्तान ने इस दौरान 38 छक्के मारे हैं। उन्होंने 45 की औसत से 2024 में 990 रन बनाए हैं। हॉन्गकॉन्ग के बाबर हयात का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। उन्होंने 2024 में सिर्फ 15 पारियों में बैटिंग की है। इस दौरान 417 रन बनाए हैं। इन रनों में 216 सिर्फ छक्के से आए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से सिर्फ 15 ही चौके निकले। अफगानिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज ने इस साल कमाल की बैटिंग की है। अपनी टीम को टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सेमीफाइनल तक ले जाने में उनका अहम योगदान था। 25 पारियों में गुरबाज अभी तक 36 छक्के मार चुके हैं। क्रिकेट में आपने

शायद पहले कभी केंडल कडोवाकी-फ्लेमिंग का नाम सुना भी नहीं होगा। केंडल जापान के लिए खेलते हैं। अभी तक 2024 में उन्होंने 12 मैच केले हैं और 159 की स्ट्राइक रेट और 48 की औसत से 529 रन ठोक चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 34 छक्के जड़े हैं। बता दें कि टी20 आने के बाद क्रिकेट का खेल काफी तेजी से बदला है। बल्लेबाज आक्रामक होते जा रहे हैं। गेंदबाज भी बचने के नए नए तरीके लेकर आते हैं। हालांकि इसके बाद भी ज्यादा पिच बल्लेबाजों को ही मदद देती है। जब पिच में गेंदबाजों के लिए ज्यादा मदद होती है तो उनकी क्वालिटी खराब बता दी जाती है। यही वजह है कि आज टेस्ट क्रिकेट में भी खूब छक्के चौके देखने को मिलते हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ टीम को जीतनी होगी टेस्ट सीरीज.....वरना छिन जाएगी बादशाहत

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम एक महीने आराम के बाद एक्शन में दिखेगी। श्रीलंका दौरे से लौटने के बाद टीम इंडिया अब अगले माह सितंबर में बांग्लादेश से टेस्ट सीरीज में भिड़ेगी। सीरीज का आयोजन भारत में होगा। दो मैचों की सीरीज का पहला टेस्ट मैच 19 सितंबर से चेन्नई में खेला जाएगा। यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के तहत खेली जाएगी। डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में भारत टॉप पर है, जबकि दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया है। टॉप स्थान को बचाए रखने के लिए भारतीय टीम को बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज हर हाल में जीतनी होगी। भारत और बांग्लादेश टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले साउथ अफ्रीका का सामना वेस्टइंडीज से हो रहा

है। वहीं पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच भी टेस्ट सीरीज होनी है, जबकि श्रीलंका का मुकाबला इंग्लैंड से होने वाला है। लेकिन इन तीनों सीरीज के रिजल्ट का भारत के डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में कोई असर नहीं होने वाला है। लेकिन भारतीय टीम अगर दोनों टेस्ट ड्रॉ कराती है, तब फिर वह टॉप स्थान खो देगी। इस स्थिति में ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर होगा। वहीं एक टेस्ट जीतने पर भी भारत अपना नंबर वन की कुर्सी बचा लेगा। हालांकि भारतीय टीम अपने घर में खेल रही है। इसके बाद में मेजबान टीम मेहमानों को 2-0 से हराने में सक्षम है। टीम इंडिया अगर बांग्लादेश के खिलाफ दोनों टेस्ट गंवा देती है, तब फिर वह डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर खिसक जाएगी। इसके अलावा ड्रॉ की स्थिति में भी मेजबान भारत को खतरा है। टीम इंडिया दोनों टेस्ट जीतकर टॉप पर बना रहेगा, वहीं एक जीत और एक ड्रॉ के साथ भी वह पहले पायदान पर कायम रहेगी। भारत ने 9 टेस्ट मैच खेले और 6 जीते हैं। 2 टेस्ट में टीम इंडिया को हार मिली है, जबकि एक टेस्ट ड्रॉ रहा है। 68.51 पीसीटी के साथ भारत पहले नंबर पर है, जबकि ऑस्ट्रेलिया 62.50 पीसीटी के साथ दूसरे नंबर पर है। कंगारू टीम ने 12 टेस्ट मैच खेले हैं जिसमें से 8 जीते है, जबकि 3 हारे हैं। उसका एक टेस्ट ड्रॉ रहा है। तीसरे नंबर पर न्यूजीलैंड की टीम है जिसके 50.00 पीसीटी हैं। कीवी टीम ने 6 टेस्ट खेले हैं, जिसमें उसे तीन में जीत मिली है, जबकि इतने ही मैचों में हार का सामना करना पड़ा है।

दलीप ट्रॉफी में खेलते दिखाई देंगे कोहली और रोहित

नई दिल्ली। टीम इंडिया को अपनी अगली इंटरनेशनल सीरीज 19 सितंबर से बांग्लादेश के खिलाफ खेलनी है। उससे पहले कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली के दलीप ट्रॉफी में खेलने की उम्मीद है। यह टूर्नामेंट 5 सितंबर से शुरू हो रहा है। इसमें भारत ए, भारत बी, भारत सी और भारत डी नाम की चार टीमें हिस्सा लेंगी। बीसीसीआई की सीनियर चयन समिति इन टीमों का चयन करेगी और इसमें कई स्टार खिलाड़ियों को शामिल किया जा सकता है। दलीप ट्रॉफी में भारतीय क्रिकेट के करीब सभी बड़े नाम नजर आ सकते। कोहली और रोहित एक-एक मैच में नजर आ सकते हैं। चयनकर्ता चाहते हैं कि सभी प्रमुख खिलाड़ी इसमें मैदान पर उतरे। शुभमन गिल, केएल राहुल, अक्षर पटेल, रवींद्र जडेजा, यशस्वी जयसवाल, सूर्यकुमार यादव, और कुलदीप यादव जैसे खिलाड़ियों को भी दलीप ट्रॉफी खेलने के लिए कहा गया है। रिपोर्ट के मुताबिक तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया गया है और वह इस टूर्नामेंट में नहीं खेलने वाले है। इस बार दलीप ट्रॉफी जोनल फॉर्मेट में नहीं खेली जाएगी। अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति चार टीमें भारत ए, भारत बी, भारत सी और भारत डी का चयन करेगी। टूर्नामेंट का आयोजन आंध्र प्रदेश के

अनंतपुर में होना है। हालांकि यहां एयरपोर्ट नहीं है और स्टार खिलाड़ियों ने इसमें भाग लेने की सहमति जाहिर की है। इस स्थिति में बीसीसीआई अब एक राउंड बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में कराने की योजना बना रहा है। ईशान किशन को दलीप ट्रॉफी के लिए चुनने जाने की पूरी उम्मीद है। बात दें कि चयन समिति चाहती है कि अगर किशन भारतीय टीम में वापसी करना चाहते हैं, तब उन्हें रेड बॉल से क्रिकेट खेलना शुरू करना होगा। पिछले सीजन में रणजी ट्रॉफी न खेल पाने के कारण ईशान और श्रेयस अय्यर को बीसीसीआई ने कॉन्ट्रैक्ट से बाहर कर दिया था। किशन ने बीसीसीआई की चेतावनी को नजरअंदाज कर दिया। वहीं चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे को दलीप ट्रॉफी की किसी भी टीम में जगह मिलने की उम्मीद न के बराबर है।

व्यापार

हल्की गिरावट के साथ खुले शेयर बाजार

- **सेंसेक्स 79,600 और निफ्टी 24,300 पर खुला**

मुंबई। वैश्विक बाजारों और आर्थिक आंकड़ों से मिले मिश्रित संकेतों के आधार पर बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी50 मंगलवार को हल्की गिरावट के साथ खुले। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 79,607 पर था, जो 42 अंक नीचे था, जबकि निफ्टी50 24,337 पर खुला, जो 10 अंक नीचे था। एचडीएफसी बैंक सेंसेक्स पर सबसे बड़ी गिरावट वाला स्टॉक रहा, जो 2.5 प्रतिशत नीचे आ गया। ऐसा एमएससीआई की ताजा घोषणा के बाद हुआ, जिसमें कहा गया कि बैंक का वेट दो चरणों में बढ़ाया जाएगा, जबकि उम्मीद थी कि यह एक ही बार में किया जाएगा। इसके अलावा, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, टाइटन कंपनी, और टेक महिंद्रा के शेयर भी गिरावट में थे। वहीं आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, कोटक बैंक, सन फार्मा, भारती एयरटेल और अदाणी पोर्ट्स के शेयर बढ़त में रहे। विस्तृत बाजारों में बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.35 प्रतिशत बढ़ा और बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.5 प्रतिशत की बढ़त हुई। निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 0.4 प्रतिशत गिरा, जबकि

निफ्टी रियल्टी इंडेक्स 0.4 प्रतिशत बढ़ गया। हिंडनबर्ग-सेबी विवाद के बीच शुरुआती गिरावट से उबरते हुए सोमवार को भारतीय शेयर बाजार सपाट नोट पर बंद हुए। बीएसई सेंसेक्स 56.99 अंक टूटकर 79,648.92 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी तरफ एनएसई निफ्टी 20.50 अंक गिरकर 24,347.00 पर बंद हुआ। वहीं अमेरिकी बाजारों में सोमवार रात मिलाजुला रुख देखने को मिला, क्योंकि निवेशक महत्वपूर्ण महंगाई आंकड़ों का इंतजार कर रहे थे। डॉव जोन्स 0.4 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि नैस्डैक 0.2 प्रतिशत की बढ़त पर रहा और एसएंडपी 500 स्थिर रहा। बाजार बंद होने के बाद, जुलाई के लिए उपभोक्ता महंगाई दर 3 प्रतिशत पर आई, जो उम्मीदों के अनुरूप थी। एशिया में जापान का निक्केई 2.6 प्रतिशत बढ़ा, क्योंकि मुद्रास्फीति 0.3 प्रतिशत पर पहुंच गई। स्ट्रेट्स टाइम्स 0.5 प्रतिशत बढ़ा, और ताइवान में भी 0.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। हालांकि, कोस्पी 0.1 प्रतिशत गिर गया।

ब्रिटेन की बीटी ग्रुप में हिस्सेदारी खरीदेगी भारती एंटरप्राइजेज

भारती बीटी समूह की सबसे बड़ी शेयरधारक हो जाएगी

नई दिल्ली: दिग्गज देसी कंपनी भारती एंटरप्राइजेज ब्रिटेन की दूरसंचार कंपनी बीटी ग्रुप में 24.5 फीसदी हिस्सेदारी खरीद रही है और पहली किस्त खरीदी भी जा चुकी है। इससे भारती को ब्रिटेन के बाजार में अपनी पैठ बनाने में मदद मिलेगी। भारती एंटरप्राइजेज के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने कहा कि भारती एंटरप्राइजेज की अंतरराष्ट्रीय निवेश इकाई भारती ग्लोबल ब्रिटेन की एल्टिस यूके से बीटी ग्रुप की 24.5 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी। इस सौदे के बाद भारती बीटी समूह की सबसे बड़ी शेयरधारक हो जाएगी। कंपनी ने यह नहीं बताया कि सौदा कितने में हो रहा है। लेकिन लंदन स्टॉक एक्सचेंज के अनुसार बीटी गुप का बाजार पूंजीकरण 16.6 अरब डॉलर है। ऐसे में इस सौदे का मूल्य 4 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। बीटी ग्रुप ब्रिटेन में सबसे पहले दूरसंचार सेवा शुरू करने वाले ब्रांड और सरकारी एजेंसी ब्रिटिश टेलीकॉम की आधुनिक उत्तराधिकारी है। ग्राहकों

की संख्या के हिसाब से यह ब्रिटेन की दूसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी है। मित्तल ने कहा कि भारती ग्लोबल के स्वामित्व वाली भारती टेलीवेंचर्स ने एल्टिस यूके के साथ बीटी ग्रुप में 9.99 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने के लिए पुख्ता करार किया है। शेष 14.51 फीसदी हिस्सेदारी नियामक से मंजूरी मिलने के बाद ली जाएगी, जिसमें करीब 5 महीने तक लग सकते हैं। मित्तल ने स्पष्ट किया कि भारती एयरटेल इस सौदे में शामिल नहीं है और बीटी ग्रुप से दूरसंचार से जुड़ी या कोई दूसरी मदद उसे नहीं चाहिए। इसके बजाय भारती एंटरप्राइजेज ने आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) 5जी शोध एवं विकास और कोर इंजीनियरिंग को प्रमुख क्षेत्रों के रूप में चिह्नित किया है, जहां रणनीतिक निवेश दोनों देशों के बीच दूरसंचार क्षेत्र में नए तालमेल बनाने में मदद करेगा। एल्टिस यूके ने 2021 और 2023 में बीटी में शेयर खरीदे थे और यह फ्रांस की दूरसंचार व मास मीडिया कंपनी एल्टिस यूरोप का हिस्सा है।

बीएसएनएल उपभोक्ता भी ले पाएंगे हाई स्पीड इंटरनेट की सुविधा का लाभ

नई दिल्ली। सार्वजनिक दूरसंचार कंपनी भारतीय संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के उपभोक्ता भी हाई स्पीड इंटरनेट की सुविधा का लाभ ले सकते हैं। बताया जा रहा है कि बीएसएनएल साल 2025 के आखिरी तक 5जी सेवा लांच करने की तैयारी कर रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी मार्च 2025 तक अपना 4जी रोलआउट पूरा करने के बाद 6 से 8 महीनों में 5जी सर्विस शुरू करने की योजना बना रही है। वर्तमान में केवल भारती एयरटेल और रिलायंस जियो पूरे भारत में 9 करोड़ और 10.8 करोड़ ग्राहकों के साथ 5जी कवरेज प्रदान करते हैं। वोडाफोन आइडिया ने कहा है कि वह अलग-अलग वेंडर्स से इक्विपमेंट मंगाने का ऑर्डर देने की प्रक्रिया में है। तीनों दूरसंचार संचालकों ने जुलाई

की शुरुआत में अपने टैरिफ में बढ़ोतरी की, जिससे कीमतें 10 से 27 फीसदी तक बढ़ गईं। एक अधिकारी ने कहा कि टैरिफ बढ़ोतरी के 15 दिनों के भीतर 2.5 लाख ग्राहकों ने अन्य टेलिकॉम कंपनियों से बीएसएनएल में पोर्ट किया है। बीएसएनएल अभी भी कम आय वाले ग्राहकों के लिए सस्ता मोबाइल टैरिफ प्रदान करता है। बीएसएनएल ने 6 अगस्त को यह भी घोषणा की थी कि वह 4जी और 5जी पर काम करने वाले 'ओवर-द-एयर' और यूनिवर्सल सिम प्लेटफॉर्म पेश करेगी। इससे ग्राहक अपना मोबाइल नंबर चुनने के साथ-साथ ज्योगरफिकल रेस्ट्रिक्शन के बिना सिम बदल सकेंगे।

रुपया सीमित दायरे में, 83.95 पर खुला

मुंबई। विदेशी मुद्रा बाजार में मंगलवार के कारोबारी दिन अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 83.95 पर खुला और एक सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है। मंगलवार के शुरुआती कारोबार में यह 83.94 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद के मुकाबले 3 पैसे की बढ़त दिखाता है। बाजार के जानकारों का कहना है कि विदेशी मुद्रा में तेजी की वजह से रुपए की धारणा प्रभावित हुई है। सोमवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 2 पैसे की गिरावट के साथ 83.97 पर बंद हुआ था।

सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट

- **सोना 70,650 रुपए, चांदी लगभग 81,200 रुपए**

नई दिल्ली। सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत मंगलवार को भी नरमी के साथ हुई। दोनों के वायदा भाव मंगलवार को गिरावट के साथ खुले। सोमवार को भी दोनों के भाव गिरावट के साथ खुले थे लेकिन बाद में तेजी के साथ बंद हुए थे। सोने के वायदा भाव 70,650 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 81,200 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव तेज शुरुआत के बाद सुस्त पड़ गए। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 108 रुपये की गिरावट के साथ 70,630 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 74 रुपये की

गिरावट के साथ 70,664 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 456 रुपये की गिरावट के साथ 81,168 रुपये पर खुला। इस समय यह 420 रुपये की गिरावट के साथ 81,204 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। हालांकि बाद में भाव सुस्त पड़ गए। कॉमेक्स पर सोना 2,512.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,504 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 1.80 डॉलर की गिरावट के साथ 2,502.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 28.03 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 28 डॉलर था। इस समय यह 0.24 डॉलर की गिरावट के साथ 27.76 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

बॉक्स ऑफिस पर औरों में कहां दम था ने टेक दिए घुटने

उलझ का हाल और भी बुरा

अजय देवगन-तब्बू की फिल्म औरों में कहां दम था और जाह्नवी कपूर की उलझ ये दोनों फिल्में 2 अगस्त को सिनेमाघरों में आई थी, लेकिन किसी ने भी बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं दिखाया। सैकनिल्क के मुताबिक, औरों में कहां दम था ने पहले वीकेंड में 10.1 करोड़ रुपये कमाए थे। पहले 3 दिनों में यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत ही सपाट दौड़ी है।ओपनिंग डे पर इसने महज 1.85 करोड़ रुपये कमाए थे। दूसरे दिन शनिवार को कमाई 2.15 करोड़ रुपये थी।फिल्म अपने दूसरे वीकेंड में प्रवेश कर चुकी है। 9वें दिन इसने 50 लाख रुपये अपने खाते से जोड़े, जिसके बाद इसका कुल कारोबार 10.95 करोड़ रुपये हो गया है। लगभग 140 करोड़ रुपये की लागत से बनी औरों में कहां दम था अजय के करियर की सबसे बड़ी फ्लॉप फिल्मों में शामिल हो गई है। इसके निर्देशक नीरज पांडे हैं। इसमें जिमी शेरगिल, सई मांजरेकर और शांतनु महेश्वरी भी दिखे हैं।फिल्म में अजय और तब्बू की अधूरी प्रेम कहानी दिखाई गई है, जो ताउम्र पूरी नहीं हो पाती।अजय की पिछली फिल्म मैदान थी, जो भले ही बॉक्स ऑफिस पर नहीं चली, लेकिन फिल्म की तारीफ जरूर हुई। एक ओर जहां अजय की स्टार पावर के बावजूद औरों में कहां दम था पिट गई है, वहीं जाह्नवी और गुलशन देवैया की उलझ भी पहले वीकेंड में ही फ्लॉप साबित हुई है।उलझ का सिनेमाघरों में हाल और भी बुरा है। 9 दिनों में इस फिल्म ने महज 7.2 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है।रिलीज के 9वें दिन इस फिल्म ने 55 लाख रुपये कमाए और इसके बाद इसका कुल कारोबार 8.10 करोड़ रुपये हो गया है।

कीर्ति सुरेश की रघु ताथा का मजेदार ट्रेलर रिलीज

दिल को भाएगा साउथ हसीना का देसी अंदाज

साउथ फिल्मों की खूबसूरत और अभिनय में पक्की एक्ट्रेस कीर्ति सुरेश एक बार अपने दर्शकों का मनोरंजन करने आ रही हैं. कीर्ति की अपकमिंग कॉमेडी ड्रामा फिल्म रघु ताथा का मजेदार ट्रेलर रिलीज हो गया. रघु ताथा में कीर्ति का रोल बेहद सीधा सादा होने के साथ-साथ तेज-तर्रार भी मालूम पड़ रहा है. रघु ताथा के ट्रेलर में कीर्ति ही छाई हुई हैं. रघु ताथा के मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया है. ट्रेलर में कीर्ति सुरेश का बेहद चुलबुला अंदाज भी देखने को मिल रहा है. हर सीन में कीर्ति अपने फैंस का दिल जीतने का काम कर रही है. यह एक फैमिली एंटरटेनर फिल्म साबित होने वाली है. बता दें, फिल्म रघु ताथा को सुमन कुमार ने डायरेक्ट किया है. कांतारा और केजीएफ के मेकर्स फिल्म रघु ताथा लेकर आए हैं. वहीं. फिल्म रघु ताथा को सेंसर बोर्ड ने हाल ही में यू (यूनिवर्सल) सर्टिफिकेट सौंप है, यानी फिल्म सेंसर बोर्ड के नजर में हर सीन में पास हो गई है. फिल्म में कीर्ति ने एक सशक्त महिला के किरदार में नजर आने वाली हैं, जिसमें वह हिंदी थोपे जाने का विरोध करती दिखेंगी.ट्रेलर के कुछ सीन में वह शरारती अंदाज में हिंदी सीखती भी दिख रही हैं. कीर्ति के साथ-साथ फिल्म में एमएस भास्कर, रविंद्र विजय, देवदर्शिनी, राजीव रविंद्रनाथन और जया कुमार अहम रोल में नजर आने वाले हैं. फिल्म में सेन रॉल्डन का म्यूजिक है. टीएस सुरेश एडिटिंग और यामिनी यग्नामूर्ति ने सिनेमैटोग्राफी का काम संभाला है. वहीं, 15 अगस्त पर रघु ताथा का बॉक्स ऑफिस पर विक्रम की तंगलान, अंधाघन औ डिमोट कॉलोनी 2 से होगा. इस दिन साउथ और हिंदी सिनेमा से कुल चार फिल्में पहले ही रिलीज होने जा रही है.

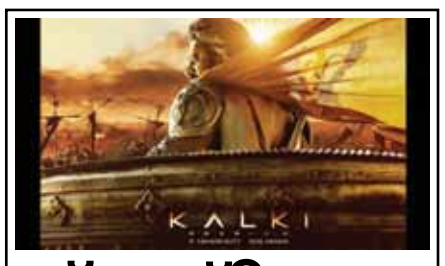

बॉक्स ऑफिस पर कल्कि 2898 एडी के कलेक्शन में 80 प्रतिशत का उछाल

नाग अश्विन निर्देशित और प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ जैसे बड़े कलाकारों से जी कल्कि 2898 एडी अपने सातवें सप्ताह में भी बरकरार है. यह पिछले सप्ताह शाहरुख खान की जवान को पछाड़कर भारतीय सिनेमा की चौथी सबसे बड़ी हिट फिल्म बन गई. कल्कि 2898 एडी स्वतंत्रता दिवस वीकेंड तक अपनी रिलीज का आनंद लेने जुटी हुई है. सैकनिलक के अनुसार, फिल्म ने अपने सातवें शनिवार को लगभग 80 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी और 1.15 करोड़ रुपये की कमाई की. कल्कि 2898 एडी का कुल कलेक्शन अब 643.36 करोड़ रुपये हो गया है. उम्मीद है कि रविवार को फिल्म की झोली में एक करोड़ और जुड़ जाएंगे. स्वतंत्रता दिवस कल्कि 2898 एडी के लिए मुश्किल होगा, क्योंकि बॉक्स ऑफिस पर तीन बड़ी फिल्में सिनेमाघरों में आ रही हैं- पहली श्रद्धा कपूर की स्त्री 2, जॉन अब्राहम की वेदा और अक्षय कुमार की खेल खेल में. तीनों फिल्मों में से स्त्री 2 ने पहले ही एडवांस बुकिंग में बढ़त हासिल कर ली है और सबसे ज्यादा स्क्रीन भी ले ली हैं. कल्कि 2898 एडी पहले से ही कम स्क्रीन पर चल रही है. नई फिल्मों की रिलीज होने से प्रभास की फिल्म पर असर पड़ेगा. हालांकि फिल्म वर्तमान में 650 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल होने के लिए के लिए तैयार है. खबर है कि कल्कि 2898 एडी महीने के अंत तक ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आ जाएगी. इस फिल्म में प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन, कमल हासन मुख्य भूमिका में है. वहीं, मेकर्स फिल्म के सीक्वल के काम में लगे हुए हैं.

13 अगस्त को रिलीज होगा नानी की फिल्म सारिपोधा सानिवारम का ट्रेलर

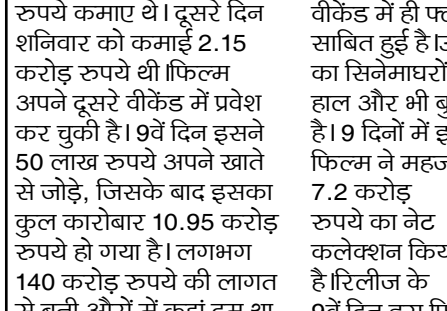

नैचुरल स्टार नानी द्वारा निर्देशित और विवेक अथरेया द्वारा निर्देशित बहुचर्चित फिल्म, सारिपोधा सानिवारम, 13 अगस्त को अपने ट्रेलर रिलीज के लिए तैयार है। निर्माता फिल्म का जोरदार प्रचार कर रहे हैं, और प्रत्येक प्रचार सामग्री ने फिल्म के बारे में चर्चा को और बढ़ा दिया है। ट्रेलर से यह पता चलने की उम्मीद है कि फिल्म किस बारे में है, और प्रशंसक फिल्म की कहानी की एक झलक पाने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। सारिपोधा सानिवारम में एसजे सूर्या और प्रियंका मोहन सहित कई प्रतिभाशाली कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में हैं, और इसे डीवीवी दानय्या और कल्याण दासरी द्वारा डीवीवी एंटरटेनमेंट के बैनर तले निर्मित किया गया है। तकनीकी दल में संगीतकार के रूप में जेक्स बेजॉय, छायाकार के रूप में मुरली जी और संपादक के रूप में कार्तिका श्रीनिवास शामिल हैं। यह फिल्म 29 अगस्त को तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी भाषाओं में रिलीज़ होगी। अपने होनहार कलाकारों और क्रू के साथ, सारिपोधा सानिवारम नानी के करियर की एक हाई वोल्टेज फिल्म होने की उम्मीद है। 13 अगस्त को ट्रेलर की रिलीज़ का बेसब्री से इंतज़ार किया जा रहा है, और दर्शक फिल्म की कहानी में एक रोमांचक झलक की उम्मीद कर सकते हैं।

रीवीलिंग गाउन पहन निक्की तंबोली ने दिए किलर पोज

एक्ट्रेस की हॉटनेस ने बढ़ाया सोशल मीडिया का पारा

टीवी और फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री निक्की तंबोली हमेशा ही अपने बोल्ड लुक्स के लिए चर्चा में रहती हैं. हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह बेहद ही हॉट और स्टनिंग लग रही हैं. इस वीडियो में निक्की ने ग्रे कलर का रिवीलिंग गाउन पहना हुआ है और उन्होंने लाइट मेकअप के साथ अपने बालों को खुला रखा है. निक्की के इस वीडियो को देखकर उनके फैंस काफी उत्साहित हैं और जमकर कमेंट्स कर रहे हैं. यह वीडियो सोशल मीडिया का पारा हाई कर रहा है. कुछ फैंस ने उन्हें बेहद खूबसूरत बताया है, तो कुछ ने उनके लुक की तारीफ की है. निक्की का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग इसे खूब पसंद कर रहे हैं. बिग बॉस के घर से लोगों के दिलों में पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस निक्की तंबोली अपनी हॉटनेस से फैंस पर कहर बरपाए रहती हैं। उनकी तस्वीरें फैंस के दिलों पर कहर बरपाती हैं। निक्की तंबोली अपने फैंस के साथ जुड़ने के लिए सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। फैंस भी एक्ट्रेस निक्की तंबोली की इन तस्वीरों को बेहद ही पसंद कर रहे हैं। एक्ट्रेस अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं निक्की तंबोली के इंस्टाग्राम पर 3.6 मिलियन फॉलोवर्स हैं। एक्ट्रेस निक्की तंबोली अपने फैंस के लिए निजी और प्रोफेशनल पलों के सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं।

डबल इस्मार्ट को सेंसर बोर्ड से ए सर्टिफिकेट के साथ मिली हरी झंडी, जारी किया नया पोस्टर

साउथ अभिनेता राम पोथिनेनी इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म डबल इस्मार्ट को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। हाल ही में फिल्म का डामर ट्रेलर जारी किया गया था। सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर कई तरह की जानकारियां सामने आ रही थीं। वहीं अब निर्माताओं ने भी प्रशंसकों के साथ फिल्म से जुड़ी दिलचस्प जानकारी साझा की है, जो उनके सेंसर औपचारिकताओं के बारे में है। फिल्म के ट्रेलर रिलीज के पहले से ही निर्माता फिल्म को लेकर सेंसर बोर्ड से जुड़े कामों में व्यस्त है। दरअसल, निर्देशक पुरी जगन्नाथ विजाग में फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में शामिल नहीं हुए थे, जिसके बाद उन्होंने वीडियो जारी कर फैंस से माफी भी मांगी थी और ट्रेलर लॉन्च से गायब रहने का करण भी बताया था। उन्होंने कहा था कि वे कुछ सेंसर बोर्ड से जुड़े कामों में जुटे हुए थे, जिस वजह से विजाग नहीं जा पाए। इसके बाद सोशल मीडिया पर दावा किया गया कि फिल्म को सेंसर बोर्ड ने हरी झंडी दिखा दी है। वहीं, अब इस खबर पर फिल्म के निर्देशक ने भी मुहर लगा दी। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर आधिकारिक पोस्ट साझा कर बताया है कि फिल्म अब अपनी सेंसर औपचारिकताएं पूरी कर चुकी है। उन्होंने फिल्म का नया पोस्टर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, ए, दो घंटे 42 मिनट, मेंटल मास मैडनेस शो आप सभी को सिनेमाघरों में आने की गारंटी देता है। फिल्म 15 अगस्त को दुनिया भर में बड़े पैमाने पर रिलीज होगी। अपनी पोस्ट में पुरी जगन्नाथ ने बताया कि सीबीएफसी ने फिल्म को ए सर्टिफिकेट के साथ पास किया है। फिल्म की कहानी की अवधि दो घंटे 42 मिनट होगी यानी कुल 162 मिनट है, जो कि फ्रेंचाइजी की पिछली फिल्म 2 घंटे, 21 मिनट से ज्यादा है। इससे पहले बताया गया था कि राम पोथिनेनी अभिनीत फिल्म को हिंसा और मजबूत संवादों के कारण एडल्ट रेटिंग दी गई है। डबल इस्मार्ट अभिनेता संजय दत्त की तेलुगु डेब्यू भी है, जो फिल्म में मुख्य प्रतिपक्षी बिग बुल की भूमिका निभा रहे हैं। डबल इस्मार्ट 2019 की ब्लॉकबस्टर इस्मार्ट शंकर की बहुप्रतीक्षित अगली कड़ी है। इस हाई-वोल्टेज एक्शन एंटरटेनर के लिए हॉलीवुड सिनेमैटोग्राफर जियानी जियानेली भी काम कर रहे हैं। डबल इस्मार्ट तकनीकी रूप से बड़े बजट पर बनाया जा रहा है। यह फिल्म 15 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

संदीपा धर ने बताया कि उन्होंने अपनी बड़ी बकेट लिस्ट कैसे चेक की

अभिनेत्री संदीपा धर ने बताया कि उन्होंने हॉट बैलून राइड को अपनी बड़ी बकेट लिस्ट से चुना है, जिसे उन्होंने सबसे शानदार चीज़ बताया है। संदीपा ने इंस्टाग्राम पर अपनी तुर्की छुट्टी की कई तस्वीरें शेयर कीं, जहाँ उन्होंने तुर्की के कप्पाडोसिया में हॉट बैलून राइड की कोशिश की। तस्वीरों में वह अपने दोस्तों के साथ राइड पर नज़र आ रही हैं, जिन्हें उन्होंने अपने पसंदीदा इंसान के रूप में टैग किया है। कैप्शन में उन्होंने लिखा: ऊपर, ऊपर और दूर! इस दिन के बारे में सोचना बंद नहीं कर सकती। निस्संदेह, हॉट एयर बैलून में सवारी करना मेरे द्वारा अब तक किए गए सबसे शानदार कामों में से एक है। मेरे लिए यह एक बहुत बड़ी बकेट लिस्ट है! अनुभव का वर्णन करते हुए, संदीपा ने लिखा: यह बहुत खास था क्योंकि मुझे यह अनुभव अपने पसंदीदा इंसानों के साथ साझा करने का मौका मिला। क्या अविश्वसनीय अनुभव था! बिल्कुल अविस्मरणीय। श्रीनगर में जन्मी इस अभिनेत्री ने 2010 में अभिनेता अक्षय ओबेरॉय के साथ इसी लाइफ में से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्हें हीरोपंती, गोल्लू और पप्पू, ग्लोबल बाबा, 7 ऑवर्स टू गो, कार्टेल जैसी फिल्मों में देखा गया और उन्होंने सतीश कौशिक द्वारा निर्देशित पंकज त्रिपाठी अभिनीत फिल्म कागज़ में विशेष भूमिका निभाई। इस सीरीज में कुमुद मिश्रा, राज अर्जुन और पितोबाश त्रिपाठी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। उनकी अगली फिल्म फिरकी है जिसमें नील नितिन मुकेश, करण सिंह ग्रोवर, जैकी श्रॉफ, के के मेनन हैं। इसकी घोषणा सालों पहले की गई थी, हालांकि फिल्म अनिश्चित काल के लिए रोक दी गई है।